सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

वर्ष- 17 अंक - 286 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 30 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

तय समय में नहीं भेजी रोजनामचा रिपोर्ट, एसएसपी ने लिया एक्शन

भिलाई। दुर्ग जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने विभागीय कार्यों में लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। पुरानी भिलाई थाने से 40 दिनों तक रोजनामचा रिपोर्ट समय पर वरिष्ठ कार्यालय नहीं भेजे जाने के मामले में दो थाना प्रभारियों (निरीक्षकों) और दो प्रधान आरक्षकों को दंडित किया गया है। इस संबंध में एसएसपी ने आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के अनुसार 1 जून से 10 जुलाई के बीच पुरानी भिलाई थाने की कुल 40 दिनों की रोजनामचा रिपोर्ट नगर पुलिस अधीक्षक छावनी कार्यालय को निर्धारित समय पर नहीं भेजी गई। शिकायत और विभागीय जांच के बाद जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के तहत तत्कालीन थाना प्रभारी अंबर सिंह भारद्वाज और वर्तमान थाना प्रभारी विजय यादव पर 1-1 हजार रुपये का आर्थिक दंड लगाया गया है। वहीं प्रधान आरक्षक आशीष मिश्रा और सुभाष जाटव की एक वार्षिक वेतन वृद्धि एक वर्ष के लिए असंचयी प्रभाव से रोक दी गई है।

25 फीट गहरे कुएं में गिरा भालू, जेसीबी और बांस की सीढ़ी बनी सहारा

कोरबा। वन परिक्षेत्र केंदई के ग्राम छिंदिया में बुधवार को एक भालू के खुले कुएं में गिर जाने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और देर रात तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद भालू को सुरक्षित बाहर निकालकर जंगल की ओर रवाना किया गया। राहत की बात रही कि भालू को इस दौरान किसी तरह की चोट नहीं आई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग ने कुएं के आसपास सुरक्षा घेरा बनाकर ग्रामीणों को दूर रहने की समझाइश दी, ताकि भालू तनावग्रस्त न हो और कोई अप्रिय घटना न हो। कुएं की अधिक गहराई और भयभीत भालू के कारण रेस्क्यू अभियान चुनौतीपूर्ण बन गया। कई घंटे तक चले अभियान के बाद रात लगभग 12 बजे भालू ने बांस की सीढ़ी और जेसीबी से बनाए गए ढलान का सहारा लेकर कुएं से बाहर छलांग लगाई और सीधे पास के जंगल की ओर चला गया।

ट्रांसपोर्ट नगर बनाने राज्य शासन ने स्वीकृत किए 16.41 करोड़, आदेश जारी

रायपुर। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने बलौदाबाजार नगर पालिका में ट्रांसपोर्ट नगर के निर्माण एवं विकास कार्यों के लिए 16 करोड़ 40 लाख 77 हजार रुपये स्वीकृत किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने मंत्रालय से इसकी मंजूरी के आदेश जारी कर दिए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं मानदंड सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समयावधि में काम पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

लोकसभा में परीक्षा संशोधन विधेयक पास, सीएम साय बोले- परीक्षा माफिया पर लगेगा अंकुश

■ पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 के पारित होने का स्वागत करते हुए इसे देश के करोड़ों युवाओं के सुरक्षित भविष्य, ईमानदार प्रतिभा और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार युवाओं के सपनों, उनके परिश्रम और उनके भविष्य की रक्षा के लिए निरंतर ठोस एवं प्रभावी निर्णय ले रही है। यह संशोधन उसी दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाएं करोड़ों युवाओं की वर्षों की मेहनत, आशाओं और विश्वास का आधार होती हैं। प्रश्नपत्र लीक, नकल माफिया और संगठित परीक्षा अपराध जैसी गतिविधियां न केवल योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय करती हैं, बल्कि पूरे परीक्षा तंत्र की विश्वसनीयता को भी प्रभावित करती हैं। ऐसे अपराधों पर कठोर और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया यह संशोधन परीक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संशोधन विधेयक के माध्यम से परीक्षा संबंधी अपराधों के विरुद्ध दंडात्मक प्रावधानों को और अधिक कठोर बनाया गया है। इससे परीक्षा माफिया, संगठित आपराधिक गिरोहों तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता में शामिल तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई का मार्ग और मजबूत होगा। साथ ही परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों एवं सेवा प्रदाताओं की जवाबदेही भी और अधिक सुनिश्चित होगी, जिससे पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और विश्वसनीय बनेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हमेशा युवाओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। नई शिक्षा नीति, कौशल विकास, रोजगार सृजन, डिजिटल पारदर्शिता तथा अब परीक्षा प्रणाली को और अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में यह संशोधन युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इससे प्रतिभाशाली और मेहनती युवाओं का विश्वास और अधिक मजबूत होगा तथा निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि विकसित भारत का निर्माण तभी संभव है, जब युवाओं को उनकी योग्यता और परिश्रम के अनुरूप निष्पक्ष अवसर प्राप्त हों। यह संशोधन उसी सोच को साकार करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है, जो ईमानदार प्रतिभा को संरक्षण देने और परीक्षा सम्बन्धी अनियमितताओं पर कठोर प्रहार करने का कार्य करेगा।

झमाझम बारिश से नदी-नाले उफान पर, मौसम विभाग का कई जिलों में भारी बारिश अलर्ट

■ दो दिनों से लगातार हो रही है बारिश, 31 जुलाई के बाद मिलेगी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बंगाल और ओडिशा में बने सिस्टम के असर से छत्तीसगढ़ में अगले 24 घंटे तक कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक रायपुर, बस्तर और दुर्ग संभाग के कुछ इलाकों में तेज बारिश की संभावना है। हालांकि 31 जुलाई से प्रदेश में बारिश की तीव्रता धीरे-धीरे कम होने के संकेत हैं।

पिछले 24 घंटे में प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई। सबसे ज्यादा असर रायपुर संभाग में रहा, जबकि सरगुजा, दुर्ग, बस्तर और बिलासपुर संभाग के कई इलाकों में भी अच्छी बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश हो रही के कारण बस्तर, रायपुर, बिलासपुर और सरगुजा संभाग के कई इलाकों में नदी-नाले उफान पर आ गए और जनजीवन प्रभावित रहा। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में जोरदार बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 20 सेंटीमीटर वर्षा बचेली में रिकॉर्ड की गई, जबकि राजधानी रायपुर में 15 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हुई। इस बीच राजधानी रायपुर में जुलाई महीने की बारिश ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। जिले में अब तक करीब 59 सेंटीमीटर वर्षा हो चुकी है, जो सामान्य औसत से 27 प्रतिशत अधिक है। आगामी दिनों में मौसम विभाग ने दुर्ग संभाग और बिलासपुर संभाग के पश्चिमी जिलों में एक-दो स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई है। अन्य क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं।

कोंडागांव-जोंधरापदर-नारायणपुर मार्ग पर आवागमन बंद

कोंडागांव जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण कोंडागांव -जोंधरापदर-नारायणपुर मार्ग में नारंगी नदी का जलस्तर बढ़ गया है। नदी का पानी पुल के ऊपर लगभग एक फीट तक बहने के कारण एहतियातन इस मार्ग पर आवागमन बंद कर दिया गया है। एसडीएम कोंडागांव अजय उरांव एवं तहसीलदार मनोज रावटे द्वारा मौके पर तत्काल पहुंचकर नदी के दोनों ओर बैरिकेडिंग कर मार्ग को बंद कराया गया है। किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा नगर सैनिकों की तैनाती भी की गई है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उक्त मार्ग पर आवाजाही न करें तथा प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

मेलबर्न के हीरो अजिंक्य रहाणे ने क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी बल्लेबाज और 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार (30 जुलाई) को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी। वह अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी खेलते नहीं दिखाई देंगे। पिछले सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स (च्यक्र) के कप्तान थे।

संन्यास का एलान करते हुए रहाणे ने कहा कि जिंदगी की सच्चाई यही है कि हर चीज की शुरुआत होती है और हर चीज का अंत भी होता है। जब वह समय आता है तो हमें उसका सम्मान करते हुए आगे बढ़ जाना चाहिए। बल्लेबाजी में मैंने हमेशा सही टाइमिंग पर भरोसा किया है और उसकी अहमियत को समझा है। आज मुझे लगता है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के लिए यही सही समय है। रहाणे ने साफ कहा कि वो क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले रहे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया और संन्यास का एलान किया। रहाणे को मेलबर्न का हीरो इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने 2020-21 ट्रॉफी के दौरान वहां ऐतिहासिक शतक लगाया था और आत्मविश्वास खो चुके भारतीय खिलाड़ियों में फिर से जोश भर दिया था। इसके बाद भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उनके घर में टेस्ट सीरीज में शिकस्त दी थी।

बिलासपुर में बनेगा 827 करोड़ की लागत से 4-लेन रिंग रोड

केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने की नितिन गडकरी से मुलाकात कर जल्द स्वीकृति की रखी मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली/बिलासपुर। बिलासपुर शहर को ट्रैफिक जाम की समस्या से स्थायी राहत दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तथा बिलासपुर सांसद तोखन साहू ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बिलासपुर के लिए प्रस्तावित 4-लेन रिंग रोड परियोजना की स्वीकृति एवं निर्माण प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया।

मुलाकात में तोखन साहू ने बताया कि बिलासपुर में लगातार बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए लगभग 827.20 करोड़ की लागत से प्रस्तावित 4-लेन रिंग रोड शहर की प्रमुख आवश्यकता बन गई है। यह परियोजना NH-130, NH-130 ए, और NH-49 को आपस में जोड़ेगी, जिससे भारी मालवाहक वाहनों का शहर के भीतर प्रवेश कम होगा और आम नागरिकों को ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि रिंग रोड के निर्माण से औद्योगिक, व्यावसायिक एवं आवासीय क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, यात्रा समय में कमी आएगी तथा बिलासपुर के समग्र शहरी विकास को नई गति मिलेगी।

तोखन साहू ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि परियोजना पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन, ट्रैफिक सर्वे तथा ड्राफ्ट एलाइनमेंट तैयार करने की प्रक्रिया प्रगति पर है। उन्होंने इन प्रक्रियाओं को शीघ्र पूर्ण कर परियोजना को जल्द स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश देने का आश्वासन दिया। इस परियोजना के साकार होने पर बिलासपुर में यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होगी तथा क्षेत्र के आर्थिक एवं आधारभूत विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे बंदी ने जलती भट्टी में कूदकर की आत्महत्या

■ बिलासपुर सेंट्रल जेल की घटना, डबल मर्डर केस में काट रहा था सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। सेंट्रल जेल में बुधवार को डबल मर्डर के मामले में उम्र कैद की सजा काट रहे कैदी ने सुसाइड कर लिया। बंदी ने जेल परिसर में गैसीफायर प्लांट की जलती भट्टी में छलांग लगा दी। मृतक की पहचान राहुल ऊर्फ विकेश कंवर (46) के रूप में हुई है, जो बम्हनीडीह चांपा का रहने वाला था। राहुल पिछले 10 साल से जेल में बंद था।

जेल कैंपस में स्थित गैसीफायर प्लांट में लकड़ियां डालकर गैस तैयार की जाती है। इसी गैस का उपयोग जेल की रसोई में कैदियों का भोजन पकाने के लिए किया जाता है। बताया जा रहा है कि प्लांट की भट्टी उस समय चालू थी। इसी दौरान कैदी अचानक वहां पहुंचा और देखते ही देखते जलती भट्टी में कूद गया। जब तक जेलकर्मी उसे बचाने का प्रयास करते, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसपी रजनेश सिंह सहित पुलिस अफसरों की टीम सेंट्रल जेल पहुंची।

एक माह में पांच बंदियों की मौत

बिलासपुर सेंट्रल जेल में पिछले एक महीने में 5 बंदियों की मौत हो चुकी है। 23 जून को पॉक्सो के आरोपी नीलू जगत की हत्या जेल के भीतर हुई थी। इसके बाद आजीवन कारावास की सजा काट रहे रायगढ़ निवासी रामभरोसे माझी की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हुई। जून में ही गतौरा निवासी राजू गोंड और उससे पहले धर्मेंद्र सिंह की भी जेल में मौत हुई थी।

तालाब में मिली युवती की लाश: हत्या की आशंका

रायपुर। रायपुर जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र के लखना गांव स्थित तालाब में एक युवती का शव पानी में तैरता हुआ मिला। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने तालाब में युवती का शव देखा इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों से गुमशुदगी की जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और घटनास्थल के आसपास मिले संभावित साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। साथ ही, मृतका की शिनाख्त के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

संपादकीय

इथेनॉल पर सवाल

तकनीक व संकल्प से बने निपटने की रणनीति

संयुक्त राष्ट्र की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में एशिया प्रशांत क्षेत्र के नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिये साइबर अपराधियों ने 114 अरब डॉलर तक का नुकसान पहुंचाया है। यानी साइबर अपराधियों ने भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर एक समानांतर आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर दिया है। दरअसल, आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग करके साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, क्रिप्टोकरेंसी व फर्जी निवेश के प्रलोभन तथा विदेशों में नौकरी के सब्जबाग दिखाकर लोगों को लूट रहे हैं। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। गाहे-बगाहे बुजुर्गों व सेवानिवृत्त अधिकारियों की जीवन-भर की जमा पूंजी लूटने के मामले भारत में प्रकाश में आते रहते हैं। दरअसल, पुरानी पीढ़ी डिजिटल दुनिया की जटिलताओं और प्रलोभनों से इन अपराधियों के बुने जाल में फंस जाती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि आपराधिक कानूनों में 'डिजिटल अरेस्ट' को औपचारिक रूप से परिभाषित किया जाए। साथ ही इसे कड़ी सजा वाले एक अलग अपराध के तौर पर घोषित किया जाए। निश्चित रूप से डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते अपराधों के चलते ऐसे मामलों में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट में अपराधी ऑडियो व वीडियो कॉल के जरिये पुलिस, अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारी, अदालत के कर्मचारी तथा सरकारी अधिकारी बनकर पीड़ितों को इतना आतंकित करते हैं कि वे भयभीत होकर अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लुटवा बैठते हैं। बीते साल भी अंबाला के एक ऐसे ही जोड़े के पत्र के आधार पर कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया था। हाल में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में भारतीयों ने विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के मामलों में 22,845 करोड़ रुपये गंवा दिए। इस दौरान साइबर अपराध की करीब 22 लाख घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस तरह के अपराधों से निपटने के लिये किए जा रहे बहुआयामी प्रयासों को एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान किया जाए। निश्चित रूप से साइबर अपराध अब कभी-कभार होने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं। आज यह लगातार परेशान करने वाली हकीकत है। दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन की सहायता से साइबर अपराधी नित नये और जटिल तरीकों से लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाने का काम कर रहे हैं। इस संकट से निपटने में हमारी बैंकिंग व्यवस्था व नियामक वित्तीय अनुशासन बनाने वाली संस्थाएं कामयाब नहीं हो पा रही हैं। जैसे-जैसे प्रवर्तन एजेंसियां व पुलिस साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने की कोशिश में नई तकनीकों का उपयोग करते हैं, साइबर अपराधी नये तौर-तरीकों के जरिये और आगे निकल जाते हैं। निस्संदेह, यह एक कठिन चुनौती है, जिसके लिये हमें बचाव और तत्काल कार्रवाई की मजबूत रणनीति बनानी होगी। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि सिस्टम की किसी कमी का अपराधी कैसे आसानी से लाभ उठा जाते हैं। विडंबना यह भी है कि साइबर अपराध के नए रूप रातों-रात सामने आ जाते हैं। जब तक हम धोखाधड़ी का तुरंत पता लगाने और तुरंत कार्रवाई करने वाले सिस्टम नहीं बनाते, हमारा वित्तीय कामकाज अक्सर साइबर अपराधियों के निशाने पर बना रहेगा। कुछ समय पहले नूह और गुरुग्राम में बड़ी संख्या में साइबर अपराधियों का पता चला था। लेकिन आज अधिक संगठित साइबर धोखाधड़ी करने वाले वाले नए इलाकों का पता चल रहा है। इसमें कई अपराधी तो ऐसे हैं जिन्होंने कोई औपचारिक शिक्षा तक नहीं ली है। लेकिन वे पूरे देश में सीधे-सादे लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। बीते साल तीन सौ से अधिक संदिग्धों की गिरफ्तारी के बावजूद साइबर अपराधियों का नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है। बड़े पैमाने पर की गई सख्त कार्रवाई से भी अपराधियों में किसी तरह का भय न होना बताता है कि इस तरह के अपराधियों से निबटने के लिये असरदार जवाबी रणनीति बनाने की जरूरत है। जिसके अंतर्गत अपराधियों के लिये सख्त सजा का प्रावधान हो। अब यह धारणा बन रही है कि डेटा आधारित व्यवस्था में साइबर जोखिमों से बचना कठिन है। लेकिन फिर भी साइबर अपराधों से बचने के लिये सामूहिक संकल्प के साथ बड़े पैमाने पर जागरूकता, तकनीक आधारित सटीक संस्थागत मदद कारगर हो सकती है।

" दरअसल, पुरानी पीढ़ी डिजिटल दुनिया की जटिलताओं और प्रलोभनों से इन अपराधियों के बुने जाल में फंस जाती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि आपराधिक कानूनों में 'डिजिटल अरेस्ट' को औपचारिक रूप से परिभाषित किया जाए। साथ ही इसे कड़ी सजा वाले एक अलग अपराध के तौर पर घोषित किया जाए। निश्चित रूप से डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते अपराधों के चलते ऐसे मामलों में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

बाघों की सुरक्षा, पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण

बाघ संरक्षण में भारत सबसे आगे

भारत ने विज्ञान आधारित नीतियों और मजबूत संस्थागत सहयोग के माध्यम से बाघ संरक्षण के क्षेत्र में विश्व भर में सबसे आगे अपनी पहचान बनाई है। अब देश विश्व के लगभग 70% जंगली बाघों का घर है। तकनीक-आधारित निगरानी, प्रभावी शासन और सामुदायिक भागीदारी ने संरक्षण को और मजबूत किया है। भारत बाघों और उनके प्राकृतिक आवासों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए वैश्विक सहयोग को भी बढ़ावा दे रहा है।

फलते-फूलते बाघ, मज़बूत पारिस्थितिकी तंत्र

हर साल 29 जुलाई को मनाया जाने वाला 'अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस' बाघ संरक्षण के वैश्विक महत्व को उजागर करता है। भारत के लिए, यह विज्ञान-आधारित संरक्षण और सतत विकास के प्रति सरकार की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराता है। यह दिन भारत की उल्लेखनीय संरक्षण उपलब्धियों को भी प्रदर्शित करता है। आज, भारत में दुनिया की सबसे बड़ी जंगली बाघों की आबादी है, जो वैश्विक स्तर पर सभी जंगली बाघों का लगभग 70त है। यह सफलता दशकों के निरंतर नीतिगत समर्थन, वैज्ञानिक प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी को दर्शाती है, जिससे भारत बाघ संरक्षण में एक वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित हुआ है।

यह उपलब्धि बाघ के साथ भारत के गहरे सांस्कृतिक और पारिस्थितिक जुड़ाव पर आधारित है। सदियों से, पुराने सिक्कों, शाही मुहरों और मंदिरों की नक्काशी में बाघ को ताकत और प्रभुत्व के प्रतीक के रूप में दिखाया गया है। इस लंबे समय से चली आ रही विरासत को पहचानते हुए, सरकार ने 1972 में रॉयल बंगाल टाइगर को राष्ट्रीय पशु घोषित किया। आज भी, बाघ भारत की समृद्ध जैव-विविधता, पारिस्थितिक संपदा और विविध इलाकों में फैली साझा प्राकृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है।

बाघ का सांस्कृतिक महत्व तो है ही, साथ ही यह पारिस्थितिकी तंत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शीर्ष शिकारी और 'अंब्रेला प्रजाति' (संरक्षण छत्र) होने के नाते, यह स्वस्थ वन पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में सहायक होता है। बाघों के प्राकृतिक आवासों का संरक्षण वनों, नदियों और अनगिनत अन्य प्रजातियों की रक्षा करता है। ये वन जल नियंत्रण, मृदा संरक्षण करते हैं, परागण में सहयोग प्रदान करते हैं और स्थानीय जलवायु को संतुलित रखते हैं। ये आपदा जोखिम को भी कम करते हैं और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करते हैं जो ग्रामीण आजीविका और शहरी अर्थव्यवस्थाओं को आधार देती हैं। बाघों और उनके आवासों की रक्षा करके, सरकार जैव विविधता संरक्षण को मजबूत कर रही है, पारिस्थितिक सुरक्षा को बढ़ा रही है और सतत विकास के माध्यम से 'विकसित भारत' के संकल्प को आगे बढ़ा रही है।

क्या आप जानते हैं? अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस की शुरुआत नवंबर 2010 में आयोजित 'सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर समिट' से हुई थी। भारत सहित 13 बाघ-रेंज वाले देशों के नेताओं ने 2022 तक दुनिया भर में जंगली बाघों की आबादी को दोगुना करने का महत्वाकांक्षी 'टी×2' लक्ष्य अपनाया था। आज, यह संरक्षण की प्रगति की समीक्षा करने, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है। 2010 में, विश्व स्तर पर केवल लगभग 3,200 जंगली बाघ होने का अनुमान था। 2022 तक, बेहतर संरक्षण और वैज्ञानिक निगरानी से यह अनुमान बढ़कर लगभग 4,500 हो गया, जिसमें 3,700 से 5,600 बाघों की संभावित सीमा शामिल है। हालिया वैश्विक अनुमानों के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 5,711 जंगली बाघ हैं, जो 2010 के बाद से लगभग 78% की वृद्धि को दर्शाता है।

बाघों की संख्या में वृद्धि: संकट से उबरने तक का सफर

भारत की बाघ संरक्षण की कोशिशें वन्यजीवों की संख्या बढ़ाने के मामले में दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई हैं। 2006 के बाद से देश में वैज्ञानिक तरीके से गिनी गई बाघों की संख्या दोगुनी से भी ज़्यादा हो गई है। 'अखिल भारतीय बाघ अनुमान (2022)' के अनुसार, भारत में बाघों की संख्या 3,682 है। 2022 के इस अखिल भारतीय बाघ अनुमान में 20 राज्यों को शामिल किया गया और 6.41 लाख किलोमीटर से अधिक का क्षेत्र पैदल तय करके सर्वेक्षण किया गया।

यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे व्यापक वन्यजीव सर्वेक्षण में से एक है। बाघों की संख्या में यह शानदार बढ़ोतरी लगातार मिल रहे नीतिगत समर्थन, विज्ञान-आधारित संरक्षण और मज़बूत संस्थागत कामकाज का नतीजा है। लंबे समय तक प्राकृतिक आवास की सुरक्षा, कड़ी निगरानी और तालमेल के साथ काम करने से पूरे भारत में बाघ संरक्षण को और मज़बूती मिल रही है।

बाघ संरक्षण के लिए मजबूत प्रशासनिक ढांचा

भारत की बाघ संरक्षण नीति में लंबे समय की सोच और राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर लगातार संस्थागत सहयोग का मेल है। 'प्रोजेक्ट टाइगर', राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) और बाघ संरक्षण योजनाएं मिलकर बाघों के प्राकृतिक आवास के लिए एक मज़बूत और विज्ञान आधारित प्रशासनिक ढांचा तैयार करते हैं।

प्रोजेक्ट टाइगर

'प्रोजेक्ट टाइगर' भारत सरकार की एक प्रमुख केंद्रीय प्रायोजित योजना है। इसे पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा लागू किया जाता है। इस योजना का मकसद बाघों की आबादी को उनके प्राकृतिक आवासों में सुरक्षित रखना है। यह संरक्षण के प्रयासों के लिए बाघ वाले राज्यों को वित्तीय और तकनीकी सहायता देता है। इस कार्यक्रम में आवास की सुरक्षा, वैज्ञानिक प्रबंधन और नियमित रूप से ज़मीनी स्तर पर निगरानी को शामिल किया गया है। इस तरीके ने समय के साथ संरक्षण के उपायों को मज़बूत किया है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की रिपोर्ट (2023) के अनुसार, 'प्रोजेक्ट टाइगर' ने 18 बाघ-रेंज वाले राज्यों में 58 बाघ अभ्यारण्य का एक नेटवर्क स्थापित किया है। ये अभ्यारण्य लगभग 84,500 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर करते हैं, जो भारत के भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 2.56त है। आज, 'प्रोजेक्ट टाइगर' भारत के वन्यजीव संरक्षण प्रयासों की एक आधारशिला बना हुआ है और यह बाघों तथा उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा के प्रति सरकार की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

क्या आप जानते हैं? वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम , (डब्ल्यूपीए), 1972 की धारा 38- (3) के तहत प्रत्येक राज्य सरकार के लिए प्रत्येक बाघ अभ्यारण्य के लिए एक 'बाघ संरक्षण योजना' तैयार करना अनिवार्य है। ऐसी योजनाओं को बाघ अभ्यारण्य की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और बाघों, उनके साथ शिकार करने वाले अन्य जानवरों तथा उनका शिकार बनने वाले जानवरों की आबादी को बनाए रखने के लिए उपयुक्त आवास सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) 'प्रोजेक्ट टाइगर' और उससे जुड़ी संरक्षण पहलों के कार्यान्वयन की निगरानी करता है। एनटीसीए बाघ-रेंज वाले राज्यों को वैज्ञानिक, तकनीकी और वित्तीय मार्गदर्शन प्रदान करता है। यह 'बाघ संरक्षण योजनाओं' को मंजूरी देता है और अभ्यारण्य प्रबंधन के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) जारी करता है। यह प्राधिकरण आवधिक आकलनों के माध्यम से बाघ अभ्यारण्य के प्रबंधन की निगरानी भी करता है। इसका विज्ञान आधारित दृष्टिकोण आवास संरक्षण में सुधार करता है, संरक्षण के परिणामों को बेहतर बनाता है और पूरे भारत में जंगली बाघों के लंबे समय तक बचे रहने में मदद करता है। क्या आप जानते हैं? एनटीसीए की अध्यक्षता केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री करते हैं। इसमें संसद सदस्य, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और विशेषज्ञ भी शामिल होते हैं। यह प्राधिकरण बाघ संरक्षण का मार्गदर्शन करता है, बाघ अभ्यारण्य की देखरेख करता है और पूरे देश में 'प्रोजेक्ट टाइगर' का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करता है।

टाइगर टास्क फोर्स

भारत सरकार ने संरक्षण नीतियों का पुनपरीक्षण करने और सुधारों की सिफारिश करने के लिए 'टाइगर टास्क फोर्स' का गठन किया था। टाइगर टास्क फोर्स ने भारत के बाघ संरक्षण ढांचे की समीक्षा की और महत्वपूर्ण नीतिगत सुधारों की सिफारिश की। इससे प्रशासनिक विशेषज्ञ, पारिस्थितिकीविद और सामुदायिक प्रतिनिधि एक मंच पर आये। टास्क फोर्स ने पारदर्शिता, सामुदायिक भागीदारी और 'प्रोजेक्ट टाइगर' के लिए मजबूत संस्थागत सहयोग पर जोर दिया। इसकी सिफारिशों ने एक अधिक सुदृढ़ संरक्षण ढांचे को आकार दिया। इनके परिणामस्वरूप 2006 में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए। इन संशोधनों ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) और वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) को वैधानिक निकायों के रूप में स्थापित किया।

भारत का बाघ संरक्षण ढांचा संस्थानों और सहकारी संघवाद पर आधारित एक मजबूत शासन मॉडल को दर्शाता है। यह एकीकृत दृष्टिकोण भारत की जैव विविधता को आगे बढ़ाते हुए बाघों के भविष्य को सुरक्षित करने में मदद कर रहा है।

जो नाकाम हो गए, समाज को उनके बारे में भी सोचना चाहिए

नंदितेश निलय

नीट परीक्षा का परिणाम आ चुका है। जो जीत गए उन्हें बधाई मिली है। पर जो चूक गए, उनका क्या? और जो इस परीक्षा की तैयारी करते हुए अपने जीवन से ही छूट गए, वे? क्या आप भी उन सभी को याद कर रहे हैं? क्योंकि जो हारते हैं- परीक्षा में या जीवन की परीक्षा में- उनकी कोई रैंकिंग नहीं होती। वर्टिकल ऊंचाई सिर्फ जीत के हिस्से आती है। जो छूट गए, उनकी गलती इतनी ही थी कि वे समझ नहीं पाए कि परीक्षाएं अपने साथ सिर्फ विषय का पाठ्यक्रम लेकर नहीं आतीं। वे आती हैं उन तमाम अनिश्चिताओं के साथ, जो किसी छात्र के आत्मविश्वास को आसानी से हर लेती हैं। इसलिए क्या जीत की गूंज में हमें पहले वो याद आते हैं, जो किसी भी कारण से सफल नहीं हो पाए?

कुछ भी हो, लेकिन एक समाज को सिर्फ सफलता की ओर ही तो नहीं देखना चाहिए। हां, यह सच है कि सफलता की दिशा होती है और एक मंजिल भी, जबकि असफलता के हिस्से न दिशा आती है और न कोई मंजिल। लेकिन क्या हमें उनके लिए नहीं सोचना चाहिए जो अपनी उलझनों, परीक्षा के दबाव और पेपर-लीक के आघात से अपनी सांसें छोड़ गए? जीत की तो स्वत: ब्रांडिंग हो जाती है, लेकिन उनके संघर्ष का क्या जो संख्याओं के खेल में कुछेक प्रतिशत से रह गए होंगे!

परीक्षा के परिणाम हमेशा की तरह उनको ढूंढते हैं, जो सफल हो जाते हैं। और हो भी क्यों नहीं। इतना आसान नहीं होता नीट या जेईई की परीक्षा अच्छे नंबरों से पास करना। लेकिन यह भी जरूरी है कि समय सभी की ओर वह संवेदनशील निगाह करे। क्योंकि जब नतीजे मनमुताबिक नहीं आते, तो मानो जीवन ही कुछ बेमतलब-सा लगने लगता है।

लगता है जैसे किस्मत ही मेहरबान नहीं रही, और इंसान खुद की काबिलियत पर संदेह करने लगता है। उसकी वह वर्षों की कड़ी मेहनत और रंगी कॉपियां बेकार लगने लगती हैं। उस पल में जिंदगी का हर मकसद बेमानी हो जाता है। नाकामी का असर घातक होता है। भले ही रैंक नहीं आई हो, नाकामियों से बहुत सीख मिलती है। लेकिन भला जीतने के युग में कोई हार से क्या सीखे? और समाज भी अपने पूर्वग्रहों के साथ जीतने वाले व्यक्ति को ही सलाम करता है। ऐसे में आप भी हमारे साथ उनके बारे में सोचिए, जो इस बार इस परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाए। हम ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां 'फिनिशिंग लाइन' लगातार आगे बढ़ती रहती है और जोर-जोर से आवाज लगाती है, 'और तेज दौड़िए, और तेज... बस भागते रहिए।' कुछ लोग थोड़े-से अंकों के फर्क से उस लाइन को पार कर लेते हैं, जबकि दूसरे उन्हीं अंकों के गणित में उलझकर खो जाते हैं। और फिर जोश, सपने, अनुशासन, माता-पिता को गर्व महसूस कराने की चाहत, जीतने की भूख, किसी को कुछ साबित करने की इच्छा, सब कुछ पल भर में समाप्त हो जाता है, और जिंदगी मानो कुछ लंबे समय तक के लिए ठहर सी जाती है। लेकिन इससे एक सवाल भी उठता है : क्या जिंदगी सिर्फ किसी परीक्षा के दायरे में ही घूमती है, और क्या किसी इंसान की अहमियत या उसकी असलियत सिर्फ नतीजों से तय होती है? फिर कांट के दर्शन का क्या होगा? क्योंकि वे मानते रहे कि किसी कार्य का मूल्यांकन सिर्फ परिणाम से नहीं, बल्कि उसके मोरल इंटेंट से भी होना चाहिए। इस आकलन का फायदा यह होता है कि जीत के शोरगुल में बीच हार का मौन उतना भारी नहीं पड़ता। क्योंकि घर में, उनके आसपास कोई न कोई कहता रहता है कि उस विद्यार्थी ने बहुत मेहनत की है और सफलता तो मिलकर रहेगी। उस ईमानदारी से की गई मेहनत को कोई महसूस करने वाला होता है।

जो उत्तीर्ण नहीं हो पाते, उनके साथ भी समाज को खड़ा रहना चाहिए। अगर समाज समावेशी-भाव को बढ़ावा देगा तो सांसें कम छूटेंगी, हौसला कम टूटेगा और कभी न हारने वाला भाव समाज का हिस्सा बना रहेगा। और हम सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों के संघर्ष को तो सुनेंगे ही, उनको भी सुनेंगे जो असफल होने के बावजूद शायद कुछ कहना चाहते हों। यह पाठक और लेखक के बीच के उस अनमोल रिश्ते की हिफाजत के लिए दिल से निकली एक आवाज है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बदलता भूजल प्रवाह बढ़ाता भवनों के लिए जोखिम

वीरेंद्र कुमार पैन्यूली

जोशीमठ भूधंसाव से उपजी चिंताओं तथा पहाड़ी शहरों को बचाने-बसाने के सिलसिले में भूजल विज्ञान की समझ जरूरी है। इन क्षेत्रों में भूजल की तेजी से व अप्रत्याशित घटत-बढ़त भवनों को लंबी अवधि में कमजोर ही करती है। यदि यह बाहर निकलता कम पानी पहले कहीं नींवों के आसपास जमा होने की वजह से है, तो भवनों की सुरक्षा के लिए जोखिम माना जाएगा।

पर्वतीय भूमिगत जल भंडारों पर वैश्विक स्तर पर भी बहुत विस्तृत अध्ययन कई कारणों से नहीं हो पाया है। उत्तराखंड जैसे घोषित पर्वतीय राज्य में भी यही स्थिति है। किंतु जोशीमठ भूधंसाव से बनी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय चिंताओं तथा पहाड़ी नए-पुराने शहरों को बचाने-बसाने के क्रम में भूजल विज्ञान की जमीनी समझ अपरिहार्य हो गई है।

जोशीमठ में 2 जनवरी, 2023 से एक कॉलोनी के चैनल से पानी निकलने की सूचना मिलने के बाद से ही सरकारी स्तर पर इसकी प्रतिदिन माप की जा रही है और तब से जलप्रवाह में लगातार उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। बयान जारी होते रहे हैं कि पानी के प्रवाह की दर इतनी कम हुई या इतनी ज्यादा हुई, या अब एकदम ही बंद हो गई है। पानी लोगों के घरों में भी दरारों के साथ आया था। ऐसे बयानों से आमजन के बीच यह धारणा विकसित करने की कोशिश होती है कि कम होता डिस्चार्ज भूधंसाव का जोखिम कम होने का सूचक है। ऐसा विश्लेषण करना वैज्ञानिक दृष्टि से सही नहीं होगा। यदि निर्माणों को आधार देने वाली परतों में जल रिसाव या जल निकासी घटती-बढ़ती रहती है अथवा चट्टानों के अपभ्रंशों में पानी सूखता-भरता रहता है, यानी उतार-चढ़ाव होता है, तो आधारित भवनों की नींवों पर काफी दबाव आ जाता है।

भूजल की तेजी से अप्रत्याशित घटत-बढ़त भवनों को लंबी अवधि में कमजोर ही करती है। यदि यह बाहर निकलता कम पानी पहले कहीं नींवों के आसपास जमा होने के कारण कम हो रहा है, तो वह भवनों की सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है। नींव के आसपास जमा पानी मृदा परतों की ताकत कम कर देता है। पहाड़ों में, खासकर चूने के अपभ्रंशों में भ.३ी पानी घुसता व जमा होता है। ठोस चट्टानों की दरारों से भी पानी घुसता है। घने जंगलों के चौड़ी पत्तियों वाले क्षेत्र में भी भूमिगत जल जमा होता है। रिसाव बर्फबारी से भी संभव है।

अनुभव रहा है कि जब कभी अचानक नदी की धारा मंद हो जाती है, तो अंदेशा पैदा हो जाता है कि कहीं ऊपर नदी मार्ग में भूस्खलनों से अवरोध आ गया है। अब पानी कम दिख रहा है, किंतु जब वह अवरोध टूटेगा, तो नदी भीषण वेग में आ सकती है। जलवायु बदलाव की अतिरेकी घटनाओं के बीच ऐसे दंश बढ़ेंगे ही।

कई बार गहराइयों तक पहुंची नींवों से भी पहाड़ों में जमीन के अंदर ढलानों में बहता जल-प्रवाह बाधित हो जाता है। ऐसे में जलधाराएं अन्य राहें ढूंढ़ लेती हैं व अन्य कमजोर भ्रंशों से फूटकर बाहर निकल सकती हैं। जमीन के भीतर यदि ढीली मिट्टी-पत्थर की परतें हों, तो जैसे सतह पर ढलानों में वेगमयी जल-प्रवाह मलबा-मिट्टी लेकर बढ़ता है, वैसे ही वे जमीन के भीतर भी मिट्टी-पत्थर लेकर बढ़ सकते हैं और मकानों, भवनों व पिलरों की नींव की मिट्टी बहाकर आगे ले जा सकते हैं। नींव के मेटिरियल के कटाव से मकान, भवन, पुल आदि तिरछे या ध्वस्त हो सकते हैं। यदि भवनों के आसपास किन्हीं कारणों से दरारें आ जाएं, तो भूमिगत नींवों के पास पहुंचा पानी भी मकानों, भवनों या अन्य कंक्रीट ढांचों को असुरक्षित व जर्जर बना सकता है।

निर्माण संरचनाओं की नींवों के जितना निकट भूमिगत जल स्तर होता जाता है, उतनी ही नींव की भवन धारण क्षमता घटती जाती है। भूमिगत जल जितना नीचे होगा, उतना ही कम उसका असर निर्माण संरचनाओं पर पड़ेगा। शैल या मृदा परतों के रंध्रों में पहुंचा पानी पोर प्रेशर पर असर डालता है।

यदि रंध्रों में पानी हवा को हटाकर अपनी जगह बना रहा है, तो पानी, वायु से भारी होने के कारण, शैल या मिट्टी की परतों का भार बढ़ा देता है। इससे सतह व भीतर के ढलावों (स्लोप्स) में अस्थिरता आ जाती है, जिससे निर्माणों में भी अस्थिरता आ सकती है। साथ ही, पानी जब किसी शैल या मृदा परत पर रिसता रहता है, तो वह उस परत के भौतिक व रासायनिक घटकों में बदलाव ले आता है।

यदि शौचालय सीवर लाइनों से जुड़े नहीं हैं और उनका मल-मूत्र एवं शौच-जल परिसर में बने पिटों में ही जाता है, तो अत्यधिक उपयोग की स्थिति में भूमि के भीतर नींवों के आसपास रिसाव और जल-जमाव की समस्या पैदा हो सकती है। अधिकांश गांवों व बस्तियों में शौचालय सीवर नेटवर्क से जुड़े नहीं हैं, इसलिए यह जोखिम वहां भी विद्यमान है। ऐसे में यदि किसी स्थान पर सामान्य क्षमता से अधिक भीड़ शौचालयों और मूत्रालयों का उपयोग करे, तो पिटों पर अत्यधिक दबाव पड़ना, उनका क्षतिग्रस्त होना तथा रिसाव की समस्या बढ़ना स्वाभाविक है।

पहाड़ी क्षेत्रों में बहुमंजिला भवनों के निर्माण के लिए गहरी नींव आवश्यक होती है, जिससे भूमिगत जलवाहिनियों को क्षति पहुंचने या उनके प्राकृतिक प्रवाह में परिवर्तन की आशंका बढ़ जाती है। जोशीमठ जैसे क्षेत्रों में वर्षों से जारी असमान भू-धंसाव के कारण सतही और भूमिगत जल के प्रवाह तथा रिसाव की दिशा भी बदल सकती है। जिन इलाकों में भू-धंसाव हो रहा है, वहां खासकर बरसात में अधूरी नालियां या अन्य प्रकार के खदान के काम नहीं छोड़े जाने चाहिए। यदि नदियों में, बैराज-बांधों में, सुरंगों के मुहानों पर मलबे के अंबारों के अवरोध खड़े कर दिए हों, तो उनसे भी पानी रिसकर पार्श्व की संरचनाओं में जा सकता है।

जोशीमठ धंसाव से जुड़ी सरकारी उपग्रह तस्वीरें भले ही सार्वजनिक वेबसाइट से हटा दी गई हों, लेकिन ग्रीस के एक शोध संस्थान के सैटेलाइट विश्लेषण, जिसे भारत के एक प्रतिष्ठित प्रकाशन ने प्रकाशित किया, के अनुसार 2018 से 31 दिसंबर, 2022 तक जोशीमठ औसतन लगभग 10 सेंटीमीटर प्रतिवर्ष की दर से धंसता रहा।

लेखक पर्यावरण वैज्ञानिक हैं।

इस्तीफे पर बजे ढोल, मुद्दे वहीं खड़े

आजकल छात्रों की हर बेचैनी पर सबसे पहले रोटी सेंकने पहुंचते हैं राजनीति के महारथी। कोई अपनी विचारधारा की डुगडुगी बजाता है, कोई अपने झंडे का डंडा गाड़ता है। हरियाणा में कहावत है— 'ब्याह म्हं आए थे, घोड़ी पै चढ़ बैठे।' गर्दन ढीली किए जंतर-मंतर से उठकर जब एक लड़का घर पहुंचा, तो उसके ताऊ ने पूछा— 'इस्तीफा हो गया?' लड़का बोला—'हां।' फिर पिता ने पूछा—'तेरी सारी समस्या खत्म?' लड़के का जवाब था 'ना।' अब उसकी मां बोली—'फेर ढोल किस बात के बजा रहे थे?' लड़का निरुत्तर था। नौजवानों की न तो बेरोजगारी की समस्या हल हुई, न फीस की, न पेपरों की, और न ही नौकरी में रिजर्वेशन की; तो अब लड़के के चाचा ने पूछा—'तो बेटा, तेरे हिस्से में क्या आया?' लड़का बोला—'तीन रील, दो सेल्फी अर एक बड़े नेता जी का ऑटोग्राफ।'

अचानक इस्तीफा आया अर सबने समझ लिया—लो भई, नौजवानों की सारी समस्याएं बैलगाड़ी में बैठकर गांव लौट गईं। इस्तीफा होते ही सब ऐसे घर लौटे, जैसे खेत की सारी घास एक ही दरांती में कट गई हो।

मंत्री का इस्तीफा होता है और जंतर-मंतर पर ढोल बजते हैं, विजयी मुद्रा में हाथ उठते हैं, धरना समाप्त हो जाता है। भीड़ लौट जाती है, मुद्दे वहीं खड़े रह जाते हैं। इस्तीफा आते ही कइयों के चेहरे यों उतर गए जैसे किसी मेले के आखिरी दिन झूला झूलने वाला बच्चा उदास हो जाए। हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि कुछ लोग आंदोलन में भाग नहीं लेते, आंदोलन का आनंद लेते हैं। उन्हें मुद्दे से कम, माहौल से अधिक प्रेम होता है, क्योंकि उनके लिए हर आंदोलन एक उत्सव है।

लाल बहादुर शास्त्री ने रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया था। तो क्या उसके बाद रेल दुर्घटनाएं हमेशा के लिए समाप्त हो गईं? नहीं। इस्तीफा उत्तरदायित्व का प्रतीक हो सकता है, समाधान का पर्याय नहीं। अगर इस्तीफों से समस्याएं मिटतीं, तो इतिहास में शास्त्री जी का इस्तीफा आखिरी होता। हमारे यहां समस्या का समाधान नहीं होता, बस 'बलि का बकरा' बदल दिया जाता है। आजकल छात्रों की हर बेचैनी पर सबसे पहले रोटी सेंकने पहुंचते हैं राजनीति के महारथी। कोई अपनी विचारधारा की डुगडुगी बजाता है, कोई अपने झंडे का डंडा गाड़ता है। हरियाणा में कहावत है— 'ब्याह म्हं आए थे, घोड़ी पै चढ़ बैठे।' कुछ नेता तो हमेशा ही भूमिगत राजनीति में विश्वास रखते हैं, जरूरत पड़ने पर ही कॉकरोच की तरह बाहर निकलते हैं। जरा सी हिट छिड़कते ही उनका सफाया होने लगता है। एक बर की बात है अक धरणे तै लौट कै आये अपणे पोते ताहि ताऊ सुरजा बोल्या—बेट्टा, धरने पै के लेण गया था? नत्थू बोल्या—देश बदलण गया था। ताऊ नै बूज्झी तो के बदल गया देश? नत्थू नाड़ लटकाये बोल्या—ना। इब ताऊ नै बूज्झी—तो फेर तू बदल गया? नत्थू बोल्या—हां, इब क्लास म्हं पिछली बेंच पै बैठूं सूं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक 4 अगस्त को

दुर्ग। जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक मंगलवार, 4 अगस्त 2026 को अपरान्ह 5.00 बजे जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सभी सदस्य (बैंकर्स/शासकीय विभाग के अधिकारी) को प्रस्तावित एजेंडा अनुसार पूर्ण अद्यतन जानकारी सहित समय पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है।

पीडीएस दुकान संचालकों एवं विक्रेताओं पर कार्रवाई

दुर्ग। खाद्य विभाग द्वारा किए गए भौतिक सत्यापन के दौरान निर्धारित मानकों और अनुबंध शर्तों के विचलन का मामला सामने आने पर त्वरित प्रशासनिक एवं वैधानिक कार्रवाई की गई है। क्षेत्रीय खाद्य निरीक्षक टेकेश्वर प्रसाद साहू द्वारा थाना मोहन नगर में तीन शासकीय उचित मूल्य दुकानों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इनमें उचित मूल्य दुकान क्रमांक 431001017, 431001025 तथा 431001006 शामिल है।

पतोरा पंचायत ने सोन खाद बेचकर कमाए 70 हजार

दुर्ग। पतोरा में स्थापित फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट में सेप्टिक टैंकों से निकलने वाले ब्लैक वाटर और मल का वैज्ञानिक उपचार कर तैयार की गई जैविक खाद सोनखाद को वन विभाग ने खरीदकर पंचायत की इस पहल पर भरोसा जताया है। वन विभाग ने बोरसीभाठा स्थित ऑक्सीजोन निर्माण कार्य के लिए 7,000 किलोग्राम सोनखाद 10 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से खरीदी, जिससे ग्राम पंचायत पतोरा को 70,000 रुपए का राजस्व मिला।

पदोन्नति में देरी से टेट उत्तीर्ण शिक्षकों में असंतोष बढ़ रहा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में शिक्षा विभाग की लंबित पदोन्नति प्रक्रिया तय समय-सीमा में पूरी न होने से शिक्षकों और कर्मचारियों में असंतोष बढ़ गया है। शिक्षा मंत्री ने पहले जून अंत तक प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए थे, लेकिन विभागीय स्तर पर काम पूरा नहीं हो सका। अब इसे अगस्त मध्य तक पूरा करने की बात कही जा रही है, जिससे जवाबदेही को लेकर सवाल उठ रहे हैं। टेट उत्तीर्ण शिक्षक कल्याण संघ ने मांग की है कि सर्वोच्च न्यायालय की भावना के अनुरूप टेट उत्तीर्ण शिक्षकों को वरिष्ठता सूची में वरीयता दी जाए।

स्वामी आत्मानंद स्कूल सेक्टर 6 में छात्राओं को साइकिलें दी

भिलाई। स्वामी आत्मानंद विद्यालय, सेक्टर 6 में गुरु पूर्णिमा शासन की सरस्वती साइकिल योजना के तहत कक्षा 9 की 15 छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं। कार्यक्रम में शाला विकास समिति के अध्यक्ष रजनीकांत पांडेय और प्राचार्या दलजीत कोराडा की मौजूदगी में छात्राओं को साइकिलें सौंपी गईं। मुख्य अतिथि कमलेश दुबे ने कहा कि साइकिल मिलने से छात्राओं की स्कूल तक पहुंच आसान होगी।

3 करोड़ 27 लाख 52 हजार का भूमिपूजन, रिसाली का दशहरा मैदान 2 करोड़ से संवरेगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने नगर पालिक निगम रिसाली के दशहरा मैदान को संवारने भूमिपूजन किया। 1 करोड़ 83 लाख 32 हजार से दशहरा मैदान का कायाकल्प किया जाएगा। विधायक ने बुधवार को निगम क्षेत्र के अलग-अलग वार्डों में 327.52 लाख का भूमिपूजन किया।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने संकल्प को पूर्ण बिना भेदभाव के कर रही है। दलगत राजनिति से उपर उठकर उनका प्रयास है कि जनता के हित में विकास हो। यही वजह है कि उन्होंने दशहरा मैदान को संवारने का उद्देश्य पूरा किया। आज के बाद रिसाली सेक्टर वार्ड 08 स्थित दशहरा मैदान का दशा और दिशा दोनो बदल जाएगा। दशहरा मैदान का स्वरूप बिलकुल अत्याधुनिक होगा। 1 करोड़ 83 लाख 32 हजार की राशि से मैदान का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज गुरू पूर्णिमा है और देश में अगर कोई मार्ग दिखाने वाला है तो वह गुरू ही है। आज का दिन ऐतिहासिक है। उन्होंने तुलनात्मक बातें

करते हुए कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहां सारे धर्म को स्थान मिलता है। प्राचीन काल की सभ्यता आज भी विद्यमान है। प्रदेश सरकार ने जो संकल्प लिया है उसे बिना भेदभाव के पूर्ण कर रही है। भूमिपूजन कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, पार्षद शीला नारखेड़े, माया यादव, धर्मेन्द्र भगत, सारिका साहू, रमा साहू, मनीष यादव, सविता ढवस, सुनंदा दीपक चंद्राकर, सीमा साहू, सरिता देवांगन, मण्डल अध्यक्ष अनुपम साहू, राजू जंघेल आदि उपस्थित थे।

हनुमान मंदिर में जलाए दीप

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने संत रवि दास जयंती और गुरू पूर्णिमा के अवसर पर 300 दीप जलाऐं। इस अवसर पर भाजपा मण्डल पदाधिकारी के अलावा जिला मुख्यालय से आए पार्षद शिवेन्द्र परिहार के अलावा पार्षदगण उपस्थित थे। विधायक ने कहा कि रवि दास की 650वीं जयंती पूरे देश में एक साथ मनाया जा रहा है। यह दीप समरसता उनकों समर्पित है।

यहां होंगे विकास कार्य

दुर्ग ग्रामीण विधायक सबसे पहले वार्ड 06 रूआबांधा सेक्टर पहुंचे। उन्होंने यहां पर 37.67 लाख से होने वाले विकास कार्य का भूमिपूजन किया। इसी तरह वार्ड 05 एचएससीएल रूआबांधा में 53.39 लाख एवं वार्ड 07 रिसाली सेक्टर पूर्व में 33.68 और वार्ड 08 रिसाली सेक्टर पश्चिम में 202.78 लाख का भूमिपूजन किया।

साईं नगर उरलावासियों ने अधूरी नाली निर्माण को पूरा कराने दिया आवेदन

महिला स्व-सहायता समूह ने मछली पालन के लिए डबरी लीज पर देने की मांग की

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा।

जनदर्शन में डिप्टी कलेक्टर सोनल डेविड भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 98 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्राप्त अनेक आवेदनों पर त्वरित संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को फोन कर प्रकरणों की जानकारी ली और आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

इसी कड़ी में वार्ड क्रमांक 58 साईं नगर उरला वासियों ने अधूरे नाली को पूरा कराने की मांग की। उन्होंने बताया कि करीब दो वर्ष पूर्व गली में सीसी रोड का निर्माण कराया गया था, लेकिन नाली निर्माण कार्य आधा ही किया गया, जिससे पानी निकासी की समस्या बनी हुई है। खाली जगहों में पानी जमा होने से मच्छर, कीड़े-मकोड़ों का खतरा बना रहता है। लगभग 200 मीटर शेष नाली निर्माण के लिए नगर निगम में आवेदन किया गया है। स्थानीय निवासियों ने दोनों ओर शेष नाली निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने नगर निगम दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

बनियापारा दुर्ग निवासी ने सुभाष नगर कन्हैयापुरी कसारीडीह में पिछले करीब 18 वर्षों से स्थापित मोबाइल टॉवर एवं अन्य उपकरणों को अनुबंध अवधि समाप्त होने के बाद भी नहीं हटाए जाने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि टॉवर का अनुबंध वर्ष 2023 में समाप्त हो गया था। कंपनी के अनुरोध पर टॉवर हटाने के आश्वासन के साथ अवधि बढ़ाई गई, लेकिन तय समय बीतने के बाद भी टॉवर नहीं हटाया गया। कई बार संपर्क करने के बावजूद कंपनी की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गई है। लंबे समय से टॉवर लगे होने के कारण मकान की छत क्षतिग्रस्त हो रही है। इस पर कलेक्टर ई डिस्ट्रीक्ट मैनेजर को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

जनपद पंचायत धमधा अंतर्गत ग्राम पंचायत माटरा की महिला शक्ति संगठन स्व-सहायता समूह ने गजानंद डबरी को मछली पालन के लिए लीज पर देने की मांग की है। समूह की 11 सक्रिय महिला सदस्य डबरी में मछली पालन कर स्वरोजगार से जुड़ना चाहती हैं। महिला समूह ने बताया कि इस संबंध में पिछले वर्ष भी ग्राम पंचायत से अनुमोदन प्राप्त कर आवेदन दिया गया था, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। महिला सदस्यों ने स्वरोजगार का अवसर उपलब्ध कराने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने उप संचालक मत्स्योग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

जनदर्शन के लिए बुधवार सुबह 10.45 से पहले कलेक्टरेट पहुंचने के आदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आम नागरिकों की समस्याओं, मांगों और शिकायतों का समयबद्ध व त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने हेतु प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

निर्देशानुसार सभी संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक बुधवार पूर्वाह्न 10:45 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

इस हेतु विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिनमें पुलिस विभाग द्वारा नामित अधिकारी, नगर निगम भिलाई के अपर आयुक्त राजेन्द्र दोहरे, नगर निगम दुर्ग के सहायक अभियंता संजय ठाकुर, खाद्य विभाग की सहायक खाद्य अधिकारी शशि सिंह, श्रम विभाग की श्रम निरीक्षक श्रीमती सोनम पटेल, भू-अभिलेख के सहायक अधीक्षक आलोक शुक्ला, नगर निगम रिसाली के सहायक राजस्व निरीक्षक योगेश सुरे, जिला पंचायत के आवास समन्वयक वेद देवांगन तथा समाज कल्याण विभाग के प्रमुख कलाकार जंतराम ठाकुर को विशेष रूप से जनदर्शन हेतु नामांकित व निर्देशित किया गया है।

ज्ञात हो कि जिला कार्यालय, दुर्ग के सभाकक्ष में प्रत्येक बुधवार को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक 'कलेक्टर जनदर्शन' कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जहाँ जिले के नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं। प्राप्त आवेदनों की वस्तुस्थिति की सही जानकारी और त्वरित समाधान के उद्देश्य से संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है।

मुकुंद धीमर को 7 साल बाद मिला आधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सीएम हेल्पलाइन सीजी 1076 में दर्ज शिकायत के माध्यम से लगातार 7 वर्षों से आधार कार्ड बनवाने के लिए भटक रहे युवा मुकुंद धीमर को आखिरकार आधार कार्ड प्राप्त हो गया।

जिला प्रशासन द्वारा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण हैदराबाद कार्यालय से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई की गई, जिसके परिणामस्वरूप उनकी लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान हुआ। आधार कार्ड नहीं होने के कारण मुकुंद धीमर बैंक में अपना खाता नहीं खुलवा पा रहे थे।

साथ ही राशन कार्ड में नाम नहीं जुड़ पाने के कारण उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं और सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। समस्या के निराकरण के लिए उन्होंने सीएम हेल्पलाइन सीजी 1076 में शिकायत दर्ज कराई।

आधार कार्ड प्राप्त होने के बाद अब मुकुंद धीमर बैंक खाता खुलवा सकेंगे, राशन कार्ड में अपना नाम जुड़वा सकेंगे। मुकुंद धीमर ने अपनी वर्षों पुरानी समस्या के समाधान पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

मानवाधिकार आयोग ने आईआईटी भिलाई के साथ किया एमओयू

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। आईआईटी भिलाई और एनएचआरसी मानवाधिकार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पर्यावरण पर रणनीतिक सहयोग की संभावना तलाशेंगे। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के विशेष मॉनिटर प्रो. कन्हैया त्रिपाठी ने कहा कि इंजीनियरिंग और विज्ञान शिक्षा के मुख्य पाठ्यक्रम में मानवाधिकारों तथा पर्यावरण अध्ययन को शामिल किया जाना चाहिए।

प्रो. त्रिपाठी ने आईआईटी भिलाई के अपने प्रवास के दौरान संस्थान के नेतृत्व, संकाय सदस्यों, अधिकारियों और विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने शिवनाथ हॉस्टल का दौरा कर नवागंतुक विद्यार्थियों से भी मुलाकात की।

प्रो. त्रिपाठी ने समकालीन सामाजिक चुनौतियों, लैंगिक समानता, मानवाधिकारों और

विद्यार्थियों के समग्र कल्याण पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण एक प्रगतिशील तथा समावेशी समाज के निर्माण में योगदान देगा और विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा।

आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश एवं संस्थान के डीन मंडली ने प्रो. त्रिपाठी का स्वागत किया तथा संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न पहलों की जानकारी दी। जनजातीय विकास और छात्र कल्याण के क्षेत्र में आईआईटी भिलाई के प्रयासों की सराहना करते हुए प्रो. त्रिपाठी ने संस्थान को लैंगिक समानता और मानवाधिकार संरक्षण से जुड़े अपने सर्वोत्तम अभ्यासों को दस्तावेज के रूप में सहेजने के लिए प्रोत्साहित किया।

बातचीत के दौरान प्रो. त्रिपाठी ने आईआईटी भिलाई, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापनों के माध्यम से संस्थागत संबंधों को मजबूत करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने संस्थान के हैप्पीनेस क्लब का नाम बदलकर ह्यूमन राइट्स एंड हैप्पीनेस क्लब करने का सुझाव भी दिया।

उन्होंने छत्तीसगढ़ में मानवाधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के लिए एआई आधारित एप्लिकेशन विकसित करने तथा विभिन्न आईआईटी एवं एनआईटी के विद्यार्थियों के लिए एक राष्ट्रीय स्तरीय इनोवेशन फेयर आयोजित करने का प्रस्ताव दिया।

निगम आयुक्त ने निर्माण कार्यों एवं सफाई का किया स्थल निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने शहर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों, प्रस्तावित कार्यस्थलों, तालाबों एवं सफाई व्यवस्था सहित आईटीआई में संचालित कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल (सीएनसी) कार्य का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही शहर की सफाई व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नियमित रूप से बेहतर सफाई सुनिश्चित करने कहा।

निगम आयुक्त ने कॉलोनी विकास शुल्क मद से अनुष्ठा रेसिडेंसी में कराए जा रहे निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण किया।

उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने तथा निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि

कॉलोनीवासियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप कार्य पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए।

इसके पश्चात आयुक्त ने अयप्पा नगर में प्रस्तावित कार्य स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रस्तावित कार्य की आवश्यकताओं एवं स्थल की स्थिति का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए, ताकि सुविधाओं का लाभ मिल सके।

आयुक्त ने कोहका स्थित आमा तालाब का भी निरीक्षण किया। उन्होंने तालाब एवं उसके आसपास की स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लेते हुए नियमित साफ-सफाई कराने और स्थल को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 24 फौजी नगर क्षेत्र में भी सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए उन्होंने अधिकारियों को विशेष ध्यान देने तथा कचरा फेंकने एवं डम्प करने वालों के ऊपर बड़ी पेनाल्टी लगाने कहा है।

आयुक्त ने आईटीआई परिसर में संचालित कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल (सीएनसी) कार्य का भी जायजा लिया। उन्होंने कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा कार्य को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त सह जोन आयुक्त दिनेश कोसरिया, अमरनाथ दुबे, ऐशा लहरे, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, संजय वर्मा अरविन्द शर्मा, सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू, श्वेता वर्मा, चंद्रकांत साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, बसंत साहू एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन

रायपुर। प्रदेश के प्रतिभाशाली, नवाचारी और प्रेरणादायी बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किए जाने वाले देश के सर्वोच्च बाल सम्मान प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग ने बच्चों, अभिभावकों, शिक्षण संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों से अधिक से अधिक योग्य बच्चों का नामांकन कराने की अपील की है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने कम उम्र में वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल कर समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया हो। यह प्रतिष्ठित सम्मान भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है। विभागीय जानकारी के अनुसार 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के पात्र बच्चे 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक बच्चे स्वयं आवेदन करने के साथ-साथ उनके अभिभावक, विद्यालय, सामाजिक संस्थाएं एवं अन्य व्यक्ति भी योग्य बच्चों का नामांकन कर सकते हैं।

शकुन्तला की मेहनत और नैनो डीएपी ने लिखी सफलता की नई इबारत

रायपुर। कभी बढ़ती उर्वरक लागत और अनिश्चित उत्पादन से चिंतित रहने वाली मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम कछौड़ की महिला कृषक शकुन्तला आधुनिक खेती की एक सफल पहचान बन चुकी हैं। उन्होंने यह साबित कर दिया है कि यदि किसान समय के साथ नई तकनीकों को अपनाएं और वैज्ञानिक सलाह पर भरोसा करें, तो सीमित संसाधनों में भी बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। खेती उनके परिवार की आजीविका का प्रमुख आधार रही है, लेकिन हर वर्ष बढ़ती लागत और उत्पादन को लेकर बनी रहने वाली चिंता उन्हें परेशान करती थी। इसी दौरान कृषि विभाग एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कछौड़, शाखा मनेन्द्रगढ़ के माध्यम से उन्हें इफ्को नैनो डीएपी की जानकारी मिली। कृषि विशेषज्ञों ने उन्हें इसके वैज्ञानिक उपयोग, कम मात्रा में अधिक प्रभाव तथा संतुलित पोषण के बारे में विस्तार से समझाया।

दृष्टिबाधित योगेश जंघेल को मिली स्मार्ट छड़ी, जिला प्रशासन की पहल से मिला सहारा

रायपुर। खैरागढ़ जिले के खैरा नवापारा निवासी 100 प्रतिशत दृष्टिबाधित योगेश जंघेल की समस्या का जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता के साथ त्वरित समाधान किया। दृष्टिबाधिता के कारण उन्हें आवागमन एवं दैनिक कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। इस पर कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के निर्देशानुसार तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें स्मार्ट छड़ी उपलब्ध कराई गई। अपर कलेक्टर सुमन राज ने समाज कल्याण विभाग के माध्यम से योगेश जंघेल को स्मार्ट छड़ी प्रदान की। यह उपकरण दृष्टिबाधित व्यक्तियों को सुरक्षित एवं सहज आवागमन में सहायता प्रदान करता है। स्मार्ट छड़ी मिलने से अब योगेश जंघेल को आने-जाने में सुविधा होगी तथा वे अपने दैनिक कार्य अधिक आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ कर सकेंगे। इस सहायता से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा ।

विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने युवाओं ने उठाया नशामुक्ति का बीड़ा

सूरजपुर में जिला स्तरीय युवा जागरूकता कार्यक्रम, 250 से अधिक प्रतिभागियों ने दी सशक्त सामाजिक चेतना की प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने तथा युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखने के उद्देश्य से 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत विजन' एवं नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सूरजपुर जिले में जिला स्तरीय युवा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीएमश्री स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, सूरजपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों से लगभग 250 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में सकारात्मक सोच, सामाजिक उत्तरदायित्व, आत्मसंयम तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर लोकगीत, लोकनृत्य, नुक्कड़ नाटक, कविता पाठ, भाषण, चित्रकला तथा ऑनलाइन नारा लेखन जैसी विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों और इससे दूर रहने के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की सामाजिक संवेदनशीलता, जागरूकता और रचनात्मक प्रतिभा विशेष रूप से देखने को मिली। कार्यक्रम में शंभु प्रसाद निषाद, रामचन्द्र सोनी तथा राम कुशल तिवारी निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को कार्यक्रम के अंत में सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित योग परिचर्चा में विशेषज्ञों ने युवाओं को बताया कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन, तनावमुक्त जीवन और नशे से दूरी बनाए रखने का प्रभावी माध्यम भी है। वक्ताओं ने कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति हैं और जनजागरूकता के माध्यम से यह अभियान एक व्यापक जन-आंदोलन का रूप ले सकता है।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती लता बेक, जिला मिशन समन्वयक मनोज साहू, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक आलोक भवाल, उप संचालक अजय सिंह, प्राचार्य मनोज झा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा स्वयं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का सामूहिक संकल्प लेने के साथ हुआ।

धरती का श्रृंगार हैं वृक्ष, प्रत्येक व्यक्ति पौधरोपण का संकल्प ले : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री ने वन महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण की दिलाई शपथ, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हुआ पौधरोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वृक्ष धरती का श्रृंगार ही नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। जल संरक्षण, स्वच्छ पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण कर उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज गुरु पूर्णिमा एवं अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर वन विभाग द्वारा बिलासपुर के पंडित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित वन महोत्सव में ये बातें कही। उन्होंने इस अवसर पर ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत पौधरोपण किया। श्री साव ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने वन विभाग के ''पौधा तुंहर दुवार'' वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस राशि का वितरण भी किया।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शिक्षा के मंदिर में वृक्षारोपण होना अत्यंत सुखद एवं प्रेरणादायी है। गुरु त्याग, समर्पण और ज्ञान के प्रतीक होते हैं। आज का दिन गुरुओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर है। आज अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस भी है, जो हमें वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के महत्व की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मानव शरीर अनेक अंगों से मिलकर बना है, उसी प्रकार पृथ्वी पर जीवन के संतुलन के लिए वृक्ष अत्यंत आवश्यक हैं। जल संरक्षण, स्वच्छ पर्यावरण और धरती को जीवनदायी बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधरोपण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान का प्रतीक है। प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का दायित्व भी निभाना चाहिए।

उप मुख्यमंत्री ने वन महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण की दिलाई शपथउप मुख्यमंत्री ने वन महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण की दिलाई शपथ

विधायक धरमलाल कौशिक ने वन महोत्सव में कहा कि वन मानव जीवन और प्रकृति के संतुलन का आधार हैं। वनों की अंधाधुंध कटाई के दुष्परिणाम आज सामने आ रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जन्मदिन एवं अन्य विशेष अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाए तथा उसके संरक्षण का संकल्प भी ले। सीसीएफ श्री मनोज पांडे ने वन महोत्सव का महत्व बताते हुए कहा कि वर्ष 1950 से प्रारंभ हुआ यह अभियान आज भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम बना हुआ है।

विधायक दिलीप लहरिया, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, बिलासपुर जिला पंचायत के अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, बिल्हा जनपद पंचायत के अध्यक्ष रामकुमार कौशिक, कुलपति डॉ. विरेन्द्र कुमार सारस्वत, कलेक्टर संजय अग्रवाल, नगर निगम के आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, वनमंडलाधिकारी नीरज कुमार, मोहित जायसवाल और राजेश सिंह ठाकुर सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

सीएम हेल्पलाइन 1076 से मिली त्वरित राहत, अधूरी पुलिया बनी तो ग्रामीणों का आवागमन हुआ सुगम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार की सीएम हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का भरोसेमंद माध्यम बनकर उभर रही है। जिला प्रशासन कोरबा के मार्गदर्शन में सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तायुक्त,समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है इसका एक प्रेरक उदाहरण, कोरबा जिले के जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत कुल्हरिया में देखने को मिला, जहां सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायत के बाद अधूरी पाइप पुलिया का निर्माण पूर्ण कर क्षतिग्रस्त मार्ग की मरम्मत कर दी गई, जिससे ग्रामीणों का आवागमन पुनः सुचारु और सुरक्षित हो गया।

ग्राम पंचायत कुल्हरिया निवासी श्री राजकुमार शांडिल्य ने 27 जून 2026 को सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि मनरेगा योजना के तहत गुलाब घर से प्रधानपारा तक मिट्टी-मुरूम सड़क का निर्माण तो पूर्ण हो चुका है, लेकिन पाइप पुलिया अधूरी होने के कारण बरसात के दौरान ग्रामीणों को आवागमन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत प्राप्त होते ही सीएम हेल्पलाइन केंद्र द्वारा प्रकरण संबंधित एल-1 अधिकारी को तत्काल भेजा गया। जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा की टीम ने बिना विलंब ग्राम पंचायत एवं निर्माण एजेंसी के साथ समन्वय स्थापित कर स्थल का निरीक्षण कराया।

जांच में पाया गया कि वर्ष 2022-23 में मनरेगा के अंतर्गत स्वीकृत इस सड़क निर्माण कार्य की कुल लागत 15.52 लाख रुपये थी, जिसमें 10.43 लाख रुपये मजदूरी मद तथा 5.09 लाख रुपये सामग्री मद के लिए स्वीकृत थे। अत्यधिक वर्षा के कारण निर्मित पाइप पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई थी तथा मिट्टी के कटाव से मार्ग अवरुद्ध हो गया था।

शिकायत के बाद जनपद पंचायत की सक्रिय पहल एवं निर्माण एजेंसी के समन्वित प्रयासों से पाइप पुलिया का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराया गया। साथ ही क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कर आवागमन को पुनः सुरक्षित एवं सुचारु बनाया गया।

31 जुलाई तक कराएं बागवानी फसलों का बीमा प्राकृतिक जोखिमों से मिलेगी आर्थिक सुरक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खरीफ मौसम में बागवानी फसलों को प्रतिकूल मौसम और प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से सुरक्षित रखने के लिए पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना संचालित की जा रही है। जशपुर जिले के किसानों से 31 जुलाई 2026 तक अपनी अधिसूचित बागवानी फसलों का बीमा कराने की अपील की गई है। सहायक संचालक उद्यान करण सोनकर ने बताया कि योजना के तहत टमाटर, बैंगन, मिर्च, अदरक, केला, पपीता एवं अमरूद सहित सात अधिसूचित बागवानी फसलों को शामिल किया गया है। बेमौसम वर्षा, कम या अधिक वर्षा, तापमान में असामान्य परिवर्तन, तेज हवा, आर्द्रता तथा प्रतिकूल मौसम के कारण होने वाले कीट एवं व्याधि प्रकोप से फसल को होने वाले नुकसान की भरपाई योजना के प्रावधानों के अनुसार की जाएगी। मुआवजे का निर्धारण मौसम के वैज्ञानिक आंकड़ों के आधार पर किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि योजना का लाभ ऋणी एवं अऋणी दोनों प्रकार के किसान उठा सकते हैं। किसानों को संबंधित फसल के लिए निर्धारित बीमित राशि का 5 प्रतिशत प्रीमियम अंशदान के रूप में जमा करना होगा। योजना के तहत प्रति हेक्टेयर टमाटर के लिए 1.20 लाख रुपए, बैंगन के लिए 77 हजार रुपए, मिर्च के लिए 68 हजार रुपए, अदरक के लिए 1.50 लाख रुपए, केला के लिए 85 हजार रुपए, पपीता के लिए 87 हजार रुपए तथा अमरूद के लिए 45 हजार रुपए की बीमित राशि निर्धारित की गई है। किसान निर्धारित प्रीमियम जमा कर अपनी फसलों का बीमा करा सकते हैं। बीमा आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। किसान ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा लोक सेवा केंद्रों एवं एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया द्वारा विकासखंड स्तर पर प्रतिनिधि नियुक्त किए गए हैं, जिनके माध्यम से किसान योजना की जानकारी प्राप्त कर बीमा करा सकते हैं। सहायक संचालक उद्यान सोनकर ने किसानों से अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते बीमा कराने की अपील करते हुए कहा कि समय पर बीमा कराने से प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिकूल मौसम के कारण होने वाले फसल नुकसान की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

जिला चिकित्सालय में फिजियोथेरेपी से मरीज ईशान के जीवन में लौटी नई उम्मीद

विशेषज्ञ फिजियोथेरेपी टीम के समर्पित उपचार से मरीज में उल्लेखनीय सुधार, परिवार ने जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला चिकित्सालय मुंगेली में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों का सकारात्मक परिणाम है कि एक गंभीर सड़क दुर्घटना के बाद लगभग चलने-फिरने की उम्मीद खो चुके 24 वर्षीय ईशान गुप्ता अब जिला अस्पताल के फिजियोथेरेपी विभाग के विशेषज्ञ उपचार से आत्मविश्वास के साथ दोबारा खड़े होने और चलने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि दाउपारा, मुंगेली निवासी ईशान गुप्ता एक भीषण सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। निजी अस्पताल में सफल ऑपरेशन के बाद भी लंबे समय तक बिस्तर पर रहने के कारण उनकी मांसपेशियां कमजोर हो गई थीं और शरीर का संतुलन भी प्रभावित हो गया था। ऐसे कठिन समय में जिला चिकित्सालय के फिजियोथेरेपी विभाग में उनका पुनर्वास उपचार प्रारंभ किया गया।

फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. उत्कर्ष पाठक ने ईशान की स्थिति का विस्तृत परीक्षण कर चरणबद्ध उपचार योजना तैयार की। नियमित चिकित्सकीय व्यायाम, मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाले विशेष अभ्यास, संतुलन प्रशिक्षण, गेट ट्रेनिंग (चलने का प्रशिक्षण) तथा सतत निगरानी के माध्यम से कुछ ही सप्ताह में उनके स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार दिखाई देने लगा। आज ईशान पहले की तुलना में अधिक आत्मविश्वास के साथ सहारे से खड़े होकर चलने का अभ्यास कर रहे हैं। ईशान गुप्ता और उनके परिजनों ने जिला अस्पताल की पूरी फिजियोथेरेपी टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें दोबारा सामान्य जीवन जीने की नई उम्मीद मिली है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों और फिजियोथेरेपिस्ट की विशेषज्ञता, धैर्य और समर्पण ने उनके जीवन में नई रोशनी भर दी है। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि गंभीर दुर्घटनाओं के बाद यदि समय पर फिजियोथेरेपी और वैज्ञानिक पुनर्वास उपचार शुरू किया जाए, तो मरीजों की शारीरिक क्षमता तेजी से बेहतर होती है और वे सामान्य जीवन की ओर लौट सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ फिजियोथेरेपी सेवाएं मरीजों के पुनर्वास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

दूरस्थ आदिवासी अंचल के छात्र ने बिना कोचिंग सेल्फ स्टडी से नीट परीक्षा में पाई सफलता

संसाधनों की कमी नहीं रोक सकी किसान पुत्र रमन की उड़ान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ आदिवासी अंचल से एक ऐसी प्रेरक कहानी सामने आई है, जिसने यह साबित कर दिया कि संसाधनों की कमी कभी भी बड़े सपनों की उड़ान को नहीं रोक सकती। बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ विकासखंड के ग्राम उदरसई निवासी किसान पुत्र रमन कुमार ने बिना किसी कोचिंग के केवल सेल्फस्टडी के दम पर वर्ष 2026 की नीट परीक्षा में सफलता हासिल कर पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

एक साधारण कृषक परिवार से आने वाले रमन ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कुसमी में अध्ययन करते हुए कठिन आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद अपने लक्ष्य से कभी समझौता नहीं किया। उनकी इस उपलब्धि पर कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट में उन्हें सम्मानित कर उपहार भेंट किया तथा उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

रमन के माता-पिता खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से होने के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और कक्षा 6वीं से ही एकलव्य विद्यालय में अध्ययन करते हुए नियमित मेहनत की। उन्होंने किसी भी निजी कोचिंग संस्थान का सहारा नहीं लिया, बल्कि नियमित अध्ययन, अनुशासित दिनचर्या और आत्मविश्वास को अपनी सफलता का आधार बनाया।

रमन के पिता श्री राजेश कुमार ने बताया कि उनके गांव से नीट परीक्षा में सफल होने वाले रमन पहले छात्र हैं। बेटे की उपलब्धि से पूरे गांव में उत्साह और गर्व का माहौल है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय रमन की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग को दिया। सम्मान समारोह के दौरान रमन ने विद्यार्थियों से कहा कि सफलता के लिए महंगी कोचिंग नहीं, बल्कि स्पष्ट लक्ष्य, सही रणनीति, नियमित अध्ययन और स्वयं पर विश्वास सबसे अधिक जरूरी है। उन्होंने युवाओं से समय का सदुपयोग करने, कठिन परिस्थितियों से घबराने के बजाय उन्हें अपनी ताकत बनाने और पूरी लगन के साथ अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। रमन कुमार की यह सफलता केवल एक छात्र की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में छिपी प्रतिभाओं की क्षमता का सशक्त प्रमाण है। उनकी कहानी आज प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों को यह विश्वास दिला रही है कि सच्ची मेहनत और दृढ़ संकल्प से हर सपना संभव है।

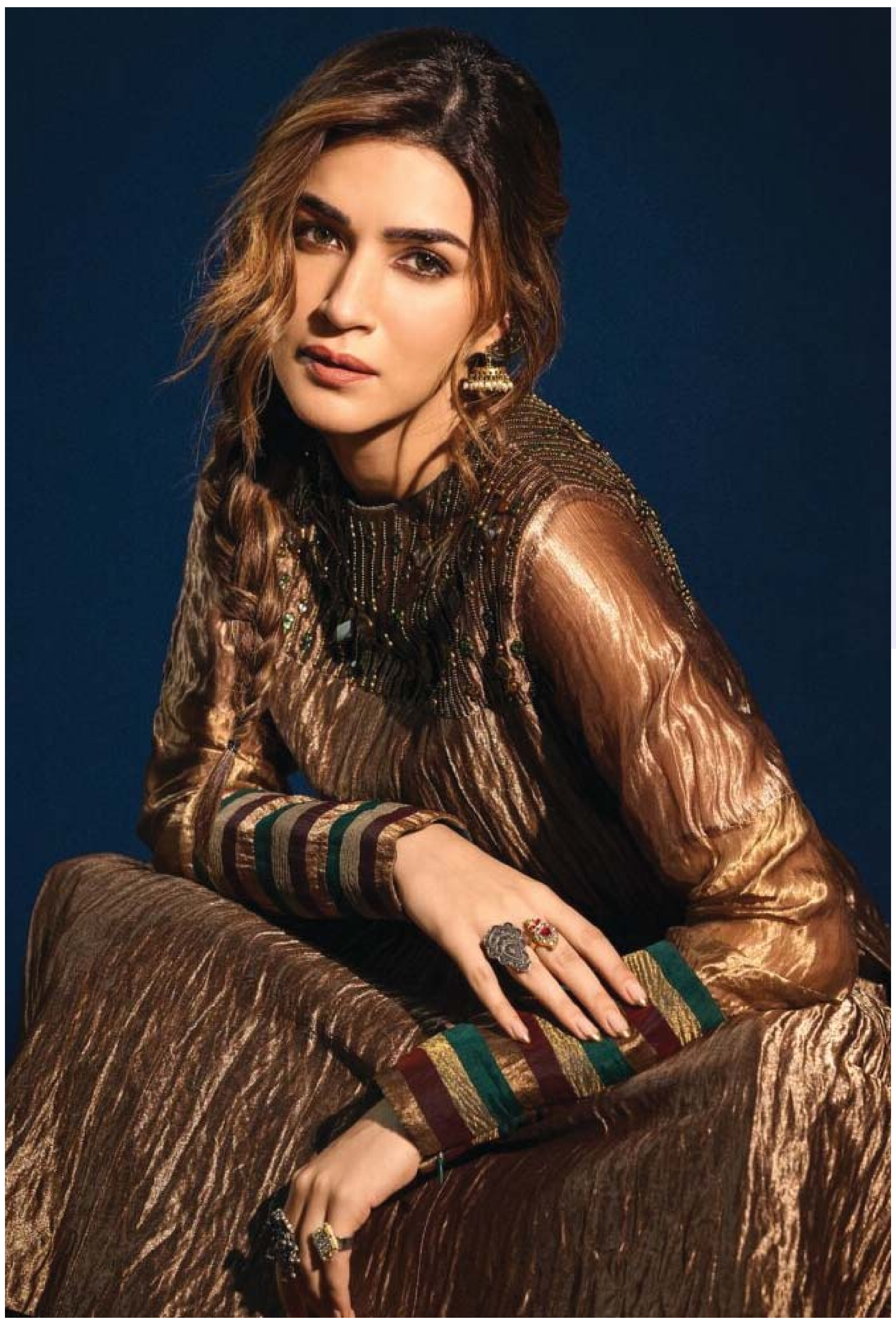

कृति सैनन ने ठुकरा दी थीं ये फिल्में नाम जानकर रह जाएंगे हैरान

कृति सैनन ने पिछले एक दशक में अपने दमदार अभिनय और हर तरह के किरदारों के दम पर बॉलीवुड में खास पहचान बनाई है। रोमांस, कॉमेडी से लेकर गंभीर भूमिकाओं तक, उन्होंने हर शैली में खुद को साबित किया है। हालांकि, सफलता के इस सफर के दौरान कृति ने कई बड़ी फिल्मों के प्रस्ताव भी ठुकराए। ऐसे में आइए जानते हैं वे कौन-सी चर्चित फिल्में थीं, जिनमें काम करने से उन्होंने इनकार कर दिया था।

साल 2015 में रिलीज हुई अक्षय कुमार कि फिल्म सिंह इज ब्लिंग में मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाने का ऑफर भी कृति को दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसमें काम करने से साफ इनकार कर दिया था।

साल 2017 में आई फिल्म हाफ गर्लफ्रेंड के निर्माता मुख्य भूमिका में कृति को लेना चाहते थे, लेकिन उन्होंने इस ऑफर को ठुकरा दिया। चेतन भगत के उपन्यास पर आधारित इस फिल्म को बाद में श्रद्धा कपूर ने किया था।

साल 2018 में रिलीज हुई लस्ट स्टोरीज 2 में कियारा आडवाणी का किरदार पहले कृति को ऑफर हुआ था। हालांकि, उन्होंने इसे करने से इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि उनकी मां को यह भूमिका पसंद नहीं आई थी।

एक्शन थ्रिलर फिल्म मलंग साल 2020 में रिलीज हुई थी। मोहित सूरी इस फिल्म में कृति को लेना चाहते थे, लेकिन उनके पास समय न होने की वजह से इस फिल्म में दिशा पाटनी को लिया गया।

साल 2021 में आई ओटीटी फिल्म हसीन दिलरुबा में रानी सक्सेना का किरदार कृति को पेश किया गया था, लेकिन उन्होंने इसमें काम करने से साफ मना कर दिया। फिर तापसी पन्नू ने इसमें काम किया।

2021 में ही रिलीज हुई कार्तिक आर्यन की फिल्म धमाका के निर्माताओं ने कृति को इसका ऑफर दिया था, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। ऐसे में बाद में मृणाल ठाकुर ने इस भूमिका को निभाया था।

सीरीज मुसाफिर कैफे में सुधा का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों पर छाई वेदिका पिंटो

दिव्य प्रकाश दुबे के मशहूर उपन्यास पर बनी सीरीज मुसाफिर कैफे इन दिनों सुर्खियों में है। सीरीज में सुधा का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों पर छा जाने वाली एक्ट्रेस कोई और नहीं, बल्कि वेदिका पिंटो हैं। स्क्रीन पर उनकी सादगी, मासूमियत और बेहतरीन अदाकारी की जमकर तारीफ हो रही है। सोशल मीडिया पर फैंस उनकी खूबसूरती और एक्टिंग के दीवाने हो चुके हैं।

वेदिका पिंटो बॉलीवुड का उभरता हुआ चेहरा हैं, जिन्होंने अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से अलग पहचान बनाई है। कम समय में ही उन्होंने अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस से दर्शकों का ध्यान खींचा है।

उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 2019 में पंजाबी सिंगर ऋतविज के सुपरहिट म्यूजिक वीडियो लिग्गी से की। वो अपनी बेहतरीन डांसिंग और बोल्ड लुक की वजह से रातों-रात इंटरनेट पर वायरल हो गई थीं।

वेदिका पिंटो ने साल 2022 में फिल्म ऑपरेशन रोमियो से बॉलीवुड में कदम रखा। इसमें सिद्धांत गुप्ता, भूमिका चावला और शरद केलकर जैसे एक्टर्स भी नजर आए थे। हालांकि, उनकी पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी।

वेदिका पिंटो बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर आदित्य रॉय कपूर के साथ भी काम कर चुकी हैं। दोनों ने साथ में फिल्म गुमराह में साथ काम किया था। इसमें मृणाल ठाकुर और रोनित रॉय भी लीड रोल में हैं।

इसके अलावा वेदिका पिंटो फिल्म निशांची में भी नजर आ चुकी हैं, जिसके डायरेक्टर अनुराग कश्यप है। ये फिल्म 19 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

इस फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे, मोनिका पंवार, कुमुद मिश्रा, मोहम्मद जीशान अय्यूब और विनीत कुमार सिंह जैसे एक्टर्स नजर आए थे। हालांकि, ये बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई।

वेदिका पिंटो को आखिरी बार निशांची के सीक्वल में देखा गया था। ये फिल्म 14 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन उनकी ये फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली।

मुसाफिर कैफे के जरिए वेदिका पिंटो ने ओटीटी की दुनिया में कदम रखा है। यह उनकी पहली वेब सीरीज है, जिसमें उन्होंने सुधा त्रिपाठी का किरदार निभाया है।

वेदिका पिंटो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 476के फॉलोअर्स हैं। वो अक्सर अपनी खूबसूरत और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जिन्हें उनके फैंस बेहद पसंद करते हैं।

वेदिका पिंटो अपनी खूबसूरती, स्टाइल और ग्लैमरस अंदाज से फैंस का ध्यान खींचती रहती हैं। उनकी शानदार पर्सनैलिटी और एलिगेंट लुक्स अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहते हैं। अपनी सादगी और फैशन सेंस से वो लोगों का दिल जीत लेती हैं।

मुसाफिर कैफे की बात करें तो ये एक रोमांटिक ड्रामा वेब सीरीज है, जिसमें विक्रांत मैसी, वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना लीड रोल में हैं। तीनों की तिकड़ी लोगों को काफी पसंद आ रही है।

बटवारा 1947 ट्रेलर रिलीज: हिंदू-मुसलमान में ना बांटिए, सनी देओल ने पाकिस्तान में फिर मचाया गदर

आमिर खान प्रोडक्शंस की बटवारा 1947 इंडियन सिनेमा की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म के मेकर्स ने इसके इमोशनल पोस्टर्स और दमदार टीजर्स रिलीज करके पहले ही जबरदस्त बज बना दिया था। इन झलकियों से साफ हो गया था कि फिल्म मुश्किल हालात में इंसान के हौसले और जिंदा रहने की जंग की बड़ी कहानी दिखाने वाली है। अब लंबे इंतजार के बाद मेकर्स ने बटवारा 1947 का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जो भारत के बंटवारे के सबसे दर्दनाक दौर की एक भावुक झलक दिखाता है।

ट्रेलर इस यादगार कहानी के बड़े पैमाने और उसके इमोशनल सफर को बखूबी दिखाता है। 1947 के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म एक ऐसे परिवार की कहानी है, जिसकी जिंदगी हिंसा, डर और जबरन पलायन की वजह से पूरी तरह बदल जाती है, जो लोग कभी साथ रहते थे, वे बंटवारे की आग में एक-दूसरे से बिछड़ जाते हैं, लेकिन इतने दर्द और बिछडने के बाद भी फिल्म यह दिखाती है कि नफरत से ऊपर इंसानियत होती है और सबसे मुश्किल वक्त में भी उम्मीद का साथ नहीं छोडना चाहिए।

सनी देओल ट्रेलर में एक ऐसे शख्स के किरदार में नजर आते हैं, जो किसी भी हाल में अपने जमीर से समझौता नहीं करता। वहीं शबाना आजमी एक बुजुर्ग महिला के रोल में हैं, जिनकी समझदारी, सादगी और मजबूत सोच पूरी कहानी की सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आती है। प्रीति जी जिंटा एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो बेहद मुश्किल हालात में भी अपने परिवार को एकजुट रखने की पूरी कोशिश करती है।

बड़े पैमाने पर बने इस ट्रेलर में बंटवारे का दर्द, इमोशन्स और शानदार विजुअल्स देखने को मिलते हैं। यह सिर्फ उस त्रासदी को नहीं दिखाता, बल्कि उन आम लोगों की कहानी भी सामने लाता है, जिन्होंने इतने मुश्किल दौर में भी अपनी इंसानियत, अपनापन और हिम्मत को जिंदा रखा। शबाना आजमी, सनी देओल, प्रीति जी जिंटा और बाकी कलाकारों की दमदार एक्टिंग के दम पर बटवारा 1947 एक ऐसा सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है, जो फिल्म खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक दर्शकों के दिल और दिमाग में बना रहेगा।

बटवारा 1947 में शबाना आजमी, सनी देओल, प्रीति जी जिंटा, करण देओल, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे दमदार कलाकार नजर आने वाले हैं। खास बात यह है कि करीब 30 साल बाद राजकुमार संतोषी और सनी देओल की सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर साथ आई है, जो घायल, दामिनी और घातक जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुकी हैं।

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी बटवारा 1947 का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने दिया है, जबकि गाने जावेद अख्तर ने लिखे हैं। पिल्म को आमिर खान और अपरणा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। बंटवारा 1947 आगामी 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

डबल रोल में दिखे रणबीर, 'रामायण' के ट्रेलर में मिली रकुलप्रीत से लेकर अरुण गोविल तक की झलक

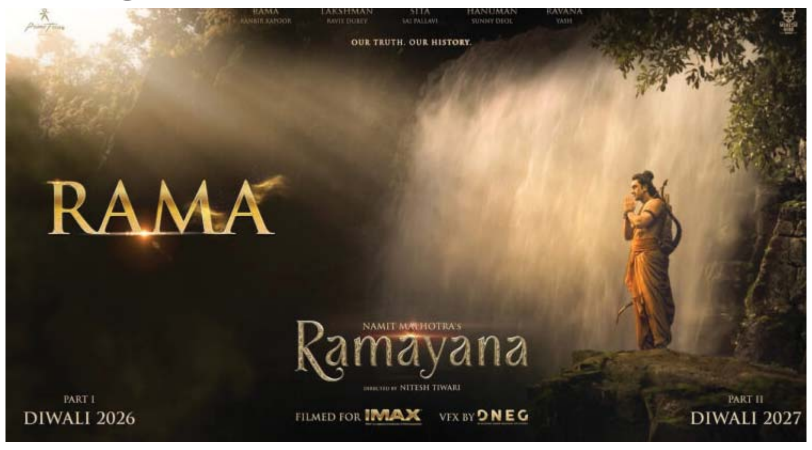

आज रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'रामायण' का ट्रेलर रिलीज हुआ। फैंस ट्रेलर देखकर फिल्म देखने के लिए उत्साहित हो गए हैं। इस ट्रेलर में अरुण गोविल से लेकर रकुल प्रीत, विवेक ओबेरॉय जैसे कई कलाकार नजर आए। जानिए, कौन सा कलाकार फिल्म में किस किरदार में नजर आ रहा है।

जब-जब 'रामायण' की कहानी छोटे या बड़े पर्दे पर आई है, तो कई कलाकारों को प्रसिद्धि के शिखर तक जाने का अवसर इस महागाथा ने दिया है। आज रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म 'रामायण' का ट्रेलर सामने आया है। इस फिल्म में चर्चित कलाकार कई महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

भगवान राम की महिमा, अमर गाथा को पर्दे पर रणबीर कपूर जीवंत करेंगे। वह इस फिल्म में भगवान राम के अलावा भगवान परशुराम की भूमिका भी निभाएंगे। ट्रेलर में राम के अलावा परशुराम की भूमिका में रणबीर कपूर नजर आए हैं।

सीता माता की भूमिका में दक्षिण भारत की चर्चित अभिनेत्री साई पल्लवी हैं।

भगवान लक्ष्मण की भूमिका में हिंदी टीवी सीरियल की दुनिया में अपने अभिनय का डंका बजा चुके रवि दुबे हैं।

रावण की भूमिका में साउथ सुपरस्टार यश हैं, ट्रेलर में उनका अंदाज, लुक देखकर फैंस हैरान रह गए हैं।

हनुमान की भूमिका में सनी देओल नजर आएंगे। ट्रेलर में उनकी झलक नहीं मिली है।

'रामायण' के ट्रेलर में बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह लंकापति नरेश रावण की बहन शूर्पणखा की भूमिका में नजर आईं। वहीं बॉलीवुड के चर्चित अभिनेता विवेक ओबेरॉय भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। वह 'रामायण' फिल्म में विद्युतजिह्वा का रोल निभा रहे हैं। विद्युतजिह्वा, शूर्पणखा का पति था। फिल्म में यह दोनों किरदार ही कहानी में एक नया मोड़ लेकर आएंगे।

अरुण गोविल एक कलाकार नहीं है, एक पूरी पीढ़ी उनमें भगवान राम की छवि देखती है। रामानंद सागर के चर्चित सीरियल 'रामायण' में उन्होंने ही भगवान राम की भूमिका निभाई थी। अब वह बड़े पर्दे पर 'रामायण' फिल्म में भगवान राम के पिता राजा दशरथ की भूमिका में नजर आएंगे। राम से बिछड़ने की पीड़ा को इस बार वह बड़े पर्दे पर वह दिखाएंगे।

गुलाब की पंखुड़ियों का इन 5 तरीकों से करें इस्तेमाल, मिठाइयों का स्वाद हो जाएगा दोगुना

गुलाब की पंखुड़ियां न केवल खुशबूदार होती हैं, बल्कि इनमें कई फायदेमंद गुण भी होते हैं। क्या आप जानते हैं कि गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल मिठाइयों में भी किया जा सकता है? इससे न केवल मिठाइयों का स्वाद बढ़ता है, बल्कि उन्हें एक अनोखा रंग और खुशबू भी मिलती है। इस लेख में हम आपको बताते हैं कि कैसे आप गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल करके अपनी मिठाइयों को खास बना सकते हैं।

गुलाब का हलवा

गुलाब का हलवा एक पारंपरिक मिठाई है, जिसे आप आसानी से घर पर बना सकते हैं।

इसके लिए आपको सूजी, घी, चीनी और गुलाब की पंखुड़ियों की ज़रूरत होगी। सबसे पहले सूजी को घी में भून लें, फिर उसमें पानी डालकर पकाएं। जब सूजी पक जाए तो इसमें चीनी मिलाएं और अंत में गुलाब की पंखुड़ियां डालें।

यह हलवा न केवल स्वादिष्ट है बल्कि इसकी खुशबू भी बहुत आकर्षक है।

गुलाब की जलेबी

जलेबी एक लोकप्रिय भारतीय मिठाई है, जिसे आप गुलाब की पंखुड़ियों के साथ खास बना सकते हैं।

इसके लिए सबसे पहले मैदा और पानी का घोल तैयार करें, फिर उसमें थोड़ा-सा गुलाब का अर्क मिलाएं। अब इस घोल को गर्म तेल या घी में गोल-गोल आकार में तल लें।

जब जलेबियां तले हुए तेल से निकल जाएं तो उन्हें गर्मागर्म चीनी की चाशनी में डालें और ठंडा करके परोसें।

गुलाब की खीर

खीर एक पारंपरिक भारतीय मिठाई है, जिसे चावल, दूध और चीनी से बनाया जाता है। अगर आप इसमें थोड़ी-सी ताजगी चाहते हैं तो इसमें गुलाब की पंखुड़ियां मिला सकते हैं।

इसके लिए सबसे पहले चावल को दूध में पकाएं, फिर उसमें चीनी डालकर पकाएं जब तक कि यह गाढ़ी न हो जाए। अंत में इसमें ताजगी देने के लिए ताजे गुलाब की पंखुड़ियां डालें।

इससे खीर का स्वाद और भी बढ़ जाएगा और इसकी खुशबू भी बहुत मोहक होगी।

गुलाब की आइसक्रीम

गुलाब की आइसक्रीम एक अनोखी और स्वादिष्ट मिठाई है, जिसे आप आसानी से बना सकते हैं।

इसके लिए सबसे पहले दूध, मलाई, चीनी और गुलाब का अर्क मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। अब इस मिश्रण को फ्रीजर में जमने रखें जब तक कि यह पूरी तरह से जम न जाए।

जब आपकी आइसक्रीम जम जाए तो उसमें ताजे गुलाब की पंखुड़ियां डालें और फिर से फ्रीजर में रखें। आपकी गुलाब की आइसक्रीम तैयार है।

गुलाब के लड्डू

लड्डू एक पारंपरिक भारतीय मिठाई है, जिसे बेसन या सूजी से बनाया जाता है। अगर आप इसमें थोड़ी-सी ताजगी चाहते हैं तो उसमें गुलाब की पंखुड़ियां मिला सकते हैं।

इसके लिए सबसे पहले बेसन या सूजी को घी में भून लें, फिर उसमें चीनी मिलाकर ठंडा होने दें। अंत में इसमें ताजगी देने के लिए ताजे गुलाब की पंखुड़ियां डालें। इससे लड्डू का स्वाद और भी बढ़ जाएगा और इसकी खुशबू भी बहुत आकर्षक होगी।

उड़ान महिला सिलाई एवं फैशन बुटीक समूह बना आत्मनिर्भरता की नई पहचान, शासन के सहयोग से महिलाओं को मिला स्वरोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के लिए संचालित विभिन्न योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

इन्हीं प्रयासों का सशक्त उदाहरण मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के मोहला विकासखंड में संचालित उड़ान महिला सिलाई एवं फैशन बुटीक समूह है, जो आज महिलाओं के लिए सम्मानजनक आजीविका और स्वरोजगार का प्रभावी माध्यम बन गया है।

उड़ान महिला सिलाई एवं फैशन बुटीक समूह से जुड़ी 11 महिलाएं ब्लाउज, सूट, पेटीकोट, पिको-फॉल, फ्रॉक, पटियाला, बैग सहित विभिन्न प्रकार के परिधानों की सिलाई एवं फैशन डिजाइनिंग का कार्य कर रही हैं। समूह स्थानीय दुकानों से कपड़े लेकर सिलाई का कार्य भी कर रहा है, जिससे महिलाओं की आय में लगातार वृद्धि हो रही है।

समूह को स्वरोजगार के लिए शासन द्वारा मुख्यमंत्री कोष से 2 लाख 80 हजार रुपये तथा ग्राम संगठन के माध्यम से 1 लाख रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया। इस आर्थिक सहयोग से महिलाओं ने आधुनिक सिलाई एवं फैशन बुटीक की शुरुआत की और अपने हुनर को व्यवसाय का रूप दिया। समूह की अध्यक्ष श्रीमती रेखा बंजारे ने बताया कि संस्थान की शुरुआत 14 जुलाई 2026 को हुई थी। समूह की महिलाओं की मेहनत और गुणवत्तापूर्ण कार्य के कारण मात्र 15 दिनों में लगभग 30 हजार रुपये की आय अर्जित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि शासन की योजनाओं से मिले सहयोग और समूह की सामूहिक मेहनत का परिणाम है।

रेखा बंजारे ने बताया कि पहले समूह की अधिकांश महिलाएं केवल घरेलू कार्यों तक सीमित थीं, लेकिन आज वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं। संस्थान में सिलाई, बुटीक एवं फैशन डिजाइनिंग का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार से जोड़ने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं रोजगार के अवसरों से जुड़ सकें। समूह की महिलाओं ने कहा कि शासन की योजनाओं से मिले आर्थिक सहयोग ने उन्हें सम्मानजनक आजीविका और आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग उनके जीवन में आर्थिक और सामाजिक बदलाव का मजबूत आधार बना है।

खास-खबर

औषधीय खेती से संवर रही किसानों की तकदीर

रायपुर। औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती पारंपरिक फसलों की तुलना में कम लागत और कम पानी में अधिक मुनाफा देती है। इसमें तुलसी, अश्वगंधा और लेमन ग्रास जैसी प्रमुख फसलें शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में पारंपरिक फसलों के साथ-साथ अब औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती का चलन तेजी से बढ़ रहा है। राज्य के किसानों की आय दोगुनी करने के मिशन के तहत छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड (वन विभाग) द्वारा एक सराहनीय पहल की जा रही है। इस योजना के तहत 30 जुलाई को धमतरी जिले के ग्राम दुगली में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें वन मंत्री केदार कश्यप एवं बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम द्वारा नारायणपुर और धमतरी के औषधि कृषकों को 54 लाख 36 हजार रुपये की अग्रिम प्रोत्साहन राशि वितरित की जाएगी। योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि किसानों को खेती शुरू करने के लिए किसी से कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

हर पात्र किसान तक पहुंचे पीएम-किसान योजना का लाभ

रायपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि भारत सरकार की योजना है। इसके तहत पात्र किसानों को हर साल 6,000 की आर्थिक मदद मिलती है, जो 2,000 की तीन समान किस्तों में सीधे बैंक खाते में भेजी जाती है।बीजापुर जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना का लाभ सभी पात्र किसानों तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन और कृषि विभाग ने विशेष पंजीयन अभियान शुरू किया है। जिन किसानों का अब तक योजना में पंजीयन नहीं हुआ है, उनसे जल्द से जल्द आवेदन करने की अपील की गई है। पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को हर वर्ष 6,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह राशि 2,000 रुपए की तीन समान किश्तों में सीधे किसानों के आधार से जुड़े और डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) सक्षम बैंक खाते में जमा की जाती है। इस राशि का उपयोग किसान बीज, खाद और अन्य कृषि कार्यों की जरूरतों को पूरा करने में कर सकते हैं।

रक्षाबंधन पर विष्णु भोग चावल की राखियां बनेंगी छत्तीसगढ़ की नई पहचान

बिहान से जुड़ी महिलाओं के अभिनव पहल से स्थानीय उत्पादों को मिलेगा नया बाजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इस वर्ष रक्षाबंधन का पर्व छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय उत्पादों की विशिष्ट पहचान को एक नई ऊंचाई देने जा रहा है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की प्रसिद्ध विष्णु भोग धान और उसके सुगंधित चावल से तैयार की जा रही आकर्षक एवं कलात्मक राखियां इस बार बाजार में विशेष आकर्षण का केंद्र होंगी। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक बनने वाली ये राखियां केवल स्नेह का बंधन नहीं होंगी, बल्कि आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के संकल्प का भी संदेश देंगी।

राज्य शासन की ग्रामीण आजीविका संवर्धन की योजनाओं के तहत बिहान से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक हस्तकला का अभिनव समन्वय करते हुए विष्णु भोग चावल से आकर्षक राखियां तैयार की हैं। रंग-बिरंगे धागों, पारंपरिक कलात्मक सजावट और सुगंधित विष्णु भोग चावल के संयोजन से निर्मित ये राखियां छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान और स्थानीय कृषि उत्पादों की विशिष्टता को देशभर तक पहुंचाने का माध्यम बनेंगी। इस नवाचार को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्यों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें राखी निर्माण की आधुनिक एवं आकर्षक तकनीकों के साथ विपणन और गुणवत्ता संबंधी पहलुओं की भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के बाद महिलाएं आत्मविश्वास के साथ स्वयं राखियों का निर्माण कर रही हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि होने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता भी मजबूत हो रही है। रक्षाबंधन के अवसर पर तैयार की गई इन विशेष राखियों की बिक्री के लिए रेलवे स्टेशन, कलेक्ट्रेट परिसर तथा विभिन्न ग्राम संगठन परिसरों में विशेष विक्रय केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। इन स्टॉलों के माध्यम से उपभोक्ताओं को सीधे महिला समूहों से राखियां खरीदने का अवसर मिलेगा, जिससे बिचौलियों की भूमिका कम होगी और महिलाओं को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त होगा।

महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्यों का कहना है कि विष्णु भोग चावल से राखी निर्माण उनके लिए केवल अतिरिक्त आय अर्जित करने का माध्यम नहीं है, बल्कि उनकी रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सामाजिक पहचान को भी नई दिशा दे रही है। स्थानीय संसाधनों पर आधारित ऐसे नवाचार ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के स्थायी अवसर सृजित कर रहे हैं तथा उन्हें आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बना रहे हैं। स्थानीय कृषि उत्पादों और पारंपरिक हस्तशिल्प को नवाचारों के माध्यम से बाजार उपलब्ध कराया जाता रहा तो इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले का प्रसिद्ध विष्णु भोग चावल प्रदेश और देशभर में नई पहचान स्थापित करेगा। यह स्थानीय उत्पादों के मूल्य संवर्धन का उत्कृष्ट उदाहरण भी बन रही है। इस रक्षाबंधन पर विष्णु भोग चावल से तैयार की गई ये अनूठी राखियां भाई-बहन के अटूट स्नेह के साथ-साथ वोकल फॉर लोकल, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर भारत और स्थानीय उत्पादों के संरक्षण का प्रेरक संदेश भी देंगी। यह दर्शाती है कि पारंपरिक कृषि उत्पादों और स्थानीय कला का समन्वय न केवल सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर सकता है, बल्कि ग्रामीण परिवारों की आजीविका और आर्थिक समृद्धि का सशक्त आधार भी बन सकती है।

राजनांदगांव जिले में 6,576 किशोरी बालिकाओं को लगा एचपीवी टीका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से राजनांदगांव जिले में एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार जिले में 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को निरूशुल्क टीका लगाया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजनांदगांव डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि इस विशेष अभियान के तहत अब तक जिले की 6,576 किशोरी बालिकाओं का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया जा चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित एवं चिकित्सकीय रूप से प्रमाणित है तथा अब तक इसका कोई भी दुष्प्रभाव (साइड इफ़ेक्ट) सामने नहीं आया है।

अभियान के अंतर्गत प्रथम चरण में टीकाकरण से वंचित रह गईं 4,001 पात्र किशोरी बालिकाओं का भी शीघ्र ही टीकाकरण किया जाएगा। यह सुविधा जिले के उप-स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला चिकित्सालय और शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों में निःशुल्क उपलब्ध है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवरतन ने जिले की सभी पात्र किशोरी बालिकाओं के माता-पिता एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे समय पर अपनी बेटियों का एचपीवी टीकाकरण कराएं और उन्हें सर्वाइकल कैंसर के जोखिम से सुरक्षित रखने में स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करें।

प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ता बीजापुर-खाद के लिए आत्मनिर्भर बने किसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्राकृतिक खेती, कम पानी का उपयोग और जैविक खाद का प्रयोग मुख्य तरीके हैं। ये उपाय मिट्टी की सेहत सुधारते हैं और खेती का खर्च कम करते हैं। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), बीजापुर की पहल से जिले में प्राकृतिक खेती को नया प्रोत्साहन मिल रहा है। किसानों को जैविक खाद और प्राकृतिक कृषि आदान स्वयं तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे खेती की लागत कम करने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भी बन रहे हैं।

मार्च 2026 से जुलाई 2026 के बीच बीजापुर जिला के बीजापुर विकासखंड के विभिन्न गांवों में प्राकृतिक खेती पर चार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन प्रशिक्षणों का सकारात्मक असर अब जिले के कई गांवों में दिखाई देने लगा है। गोबर, जीवामृत और गोमूत्र के उपयोग से मिट्टी उपजाऊ बनती है। ड्रिप सिंचाई और प्राकृतिक नमी बनाए रखने की विधि से पानी की बचत होती है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में किसानों को जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, प्राकृतिक कीटनाशक, मल्चिंग और मृदा स्वास्थ्य संरक्षण जैसी तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद ग्राम मुसालूर, इटपाल, नुकनपाल, मांझीगुड़ा, तुमनार सहित आसपास के गांवों के किसानों ने अपने स्तर पर जैविक खाद और प्राकृतिक कृषि आदान तैयार करना शुरू कर दिया। किसान स्थानीय स्तर पर उपलब्ध गोबर, गौमूत्र, गुड़, बेसन और अन्य जैविक संसाधनों का उपयोग करके कम लागत में जीवामृत और घनजीवामृत तैयार कर रहे हैं।

योजनाओं का संबल, आत्मनिर्भरता की ओर कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मत्स्य पालन विभाग द्वारा संचालित स्पॉन संवर्धन योजना आदिवासी और अनुसूचित जनजाति वर्ग के किसानों को वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन के लिए निःशुल्क मत्स्य बीज (स्पॉन) और नर्सरी जाल प्रदान करती है।

ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने और मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित राज्य शासन की स्पॉन संवर्धन योजना राज्य के मत्स्य पालकों के जीवन में समृद्धि का नया सवेरा ला रही है। धमतरी जिले के ग्राम पंचायत चरमुडिया निवासी श्री हरिश्चंद्र जांगड़े की सफलता की कहानी इस योजना की प्रभावशीलता का एक मिसाल योग्य उदाहरण है।

हाल ही में शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र, सांकरा में श्री जांगड़े को 23 लाख स्पॉन जीरा आकार के मछली बीज वितरित किए गए। यह सहायता न केवल उनके व्यवसाय को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का माध्यम बनी है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए आत्मनिर्भरता की ओर भी अग्रसर कर रही है।

मत्स्य पालन से लंबे समय से जुड़े हरिश्चंद्र जांगड़े बताते हैं कि पहले उन्हें निजी स्रोतों से महंगे दामों पर बीज खरीदना पड़ता था। इससे उनकी उत्पादन लागत बढ़ जाती थी और प्रायः बीज की गुणवत्ता को लेकर भी अनिश्चितता बनी रहती थी। हरिश्चंद्र जांगड़े ने कहा कि सही समय पर गुणवत्तायुक्त बीज मिलना ही मत्स्य पालन की सफलता की कुंजी है। स्पॉन संवर्धन योजना के माध्यम से अब हमें प्रमाणित और स्वस्थ मछली बीज सुलभता से मिल रहा है, जिससे लागत घटी है और मुनाफा बढ़ने की पूरी उम्मीद है।

प्राप्त 23 लाख स्पॉन को वैज्ञानिक पद्धति से संवर्धित कर 'फिंगरलिंग' एवं गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे न केवल स्थानीय स्तर पर बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, बल्कि आसपास के अन्य मत्स्य पालकों को भी समय पर बीज प्राप्त हो सकेगा। ?उल्लेखनीय है कि इस योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को मौसमी तालाबों में स्पॉन संवर्धन, तालाब सुधार एवं आवश्यक इनपुट्स के लिए 30 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे ग्रामीण युवाओं के लिए स्वरोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं।

मत्स्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य केवल बीज वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि जिले में गुणवत्तापूर्ण मत्स्य उत्पादन का एक आत्मनिर्भर ढांचा तैयार करना है। इसके लिए हितग्राहियों को तकनीकी मार्गदर्शन और वैज्ञानिक प्रबंधन का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। हरिश्चंद्र जांगड़े अब पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर आधुनिक तकनीकों के सहारे अपने व्यवसाय का विस्तार कर रहे हैं।

सखी वन स्टॉप सेंटर बना सहारा, अवसाद से जूझ रही महिला को मिला नया जीवन

महिला एवं बाल विकास विभाग की संवेदनशील पहल से महिला हुई नशा मुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जीवन में अपनों को खोने का दुख किसी भी व्यक्ति को गहरे मानसिक आघात में डाल सकता है। ऐसे समय में यदि भावनात्मक और सामाजिक सहारा मिल जाए, तो जीवन को नई दिशा मिल सकती है। छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर ने ऐसी ही एक महिला को अवसाद और नशे की गिरफ्त से बाहर निकालकर उसे फिर से सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर दिया।

दंतेवाडा के आवंराभाटा क्षेत्र की रहने वाली प्रीति सिंह ने कुछ वर्ष पहले अपने पुत्र को बीमारी के कारण खो दिया था। इससे पहले उनके पति का भी निधन हो चुका था। लगातार मिले इन दुखद आघातों के कारण वह गहरे अवसाद में चली गईं और धीरे-धीरे शराब की आदी हो गईं। उन्होंने घर पर रहना छोड़ दिया और कई दिनों तक बिना भोजन के इधर-उधर भटकती रहीं।

स्थानीय लोगों ने महिला की स्थिति की जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को दी। इसके बाद सखी वन स्टॉप सेंटर की टीम मौके पर पहुंची। महिला की मानसिक और नशे की स्थिति को देखते हुए 112 पुलिस सेवा की सहायता से उनका सुरक्षित रेस्क्यू किया गया और उन्हें सखी सेंटर लाया गया।

सेंटर में उनकी नियमित देखभाल की गई। चिकित्सकों की निगरानी में उपचार कराया गया और लगातार काउंसलिंग के माध्यम से उनका मानसिक संबल बढ़ाया गया। काउंसलिंग के दौरान प्रीति सिंह ने बताया कि वह दूसरों के घरों में काम करके अपना जीवन चलाती थीं, लेकिन पति और पुत्र के निधन के बाद अकेलापन और तनाव उन्हें नशे की ओर ले गया। सखी सेंटर के काउंसलरों ने उन्हें स्वास्थ्य सुधार और सुरक्षित वातावरण में रहने की सलाह दी। हालांकि उन्होंने नारी निकेतन में रहने के बजाय अपनी बेटी के साथ रहने की इच्छा व्यक्त की। सखी सेंटर की टीम ने महिला की बेटी का पता लगाया और उसे अपनी मां की देखभाल के लिए प्रेरित किया। जिला कार्यक्रम अधिकारी और जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के मार्गदर्शन में सखी सेंटर की टीम ने प्रीति सिंह को पूरी तरह स्वस्थ और नशा मुक्त होने के बाद सुरक्षित रूप से रायपुर में उनकी बेटी के पास पहुंचाया। अपनी बेटी के साथ सुरक्षित पहुंचने के बाद प्रीति सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग और सखी वन स्टॉप सेंटर की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

महिलाओं के लिए भरोसे का केंद्र

यह कहानी दर्शाती है कि सखी वन स्टॉप सेंटर केवल संकट में फंसी महिलाओं को आश्रय ही नहीं देता, बल्कि उन्हें मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक सहयोग प्रदान कर जीवन की नई शुरुआत करने में भी मदद करता है। छत्तीसगढ़ शासन की यह पहल महिलाओं के संरक्षण, पुनर्वास और सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी और संवेदनशील प्रयास है।

मुख्यधारा से जुड़ रहे पुनर्वासित युवा

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने आत्मसमर्पित नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आर्थिक रूप प्राप्त रूप से सशक्त बनाने के लिए छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति-2025 लागू की है। इस नीति के तहत वित्तीय सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर दिए जाते हैं। अधिक जानकारी के लिए जनसंपर्क छत्तीसगढ़ पर जा सकते हैं। पुनर्वास प्राप्त नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में भारतीय रिजर्व बैंक के तत्वावधान में बुधवार को पुनर्वास केंद्र में वित्तीय साक्षरता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में लगभग 80 पुनर्वासित युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नाबालिग वाहन चालकों पर दुर्ग पुलिस की सख्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस द्वारा इन दिनों नाबालिग वाहन चालकों पर लगाम लगाने अभियान चला रही है। लगातार तीन दिनों से कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में बुधवार को 22 नाबालिग बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाते हुए पकड़े गए, । तीन दिनों में कुल 80 से ज्यादा नाबालिगों पर कार्रवाई की गई। यही नहीं पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-06 में अभिभावकों की बैठक लेकर बच्चों की सुरक्षा एवं सड़क दुर्घटनाओं के प्रति जागरूक किया गया और वचनपत्र भी भरवाया गया।

तीन दिन में 80 से ज्यादा लोगो पर हुई कार्यवाही

दुर्ग जिले में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं नाबालिगों द्वारा बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा लगातार तीसरे दिन विशेष अभियान चलाकर व्यापक कार्यवाही की गई। अभियान के तहत जिले के प्रमुख चौक-चौराहों, विद्यालयों के आसपास तथा व्यस्त मार्गों पर सघन वाहन जांच की गई। जांच के दौरान बुधवार को कुल 22 नाबालिग वाहन चालक बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाते हुए पाए गए, इसके साथ ही विगत तीन दिनों में कुल 89 नाबालिग वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही की जा चुकी है।

अभिभावकों की बैठक लेकर समझाया कानून

कार्यवाही के बाद सभी नाबालिग वाहन चालकों के अभिभावकों को पुलिस कंट्रोल रूम, सेक्टर-06, भिलाई में आयोजित विशेष बैठक में आमंत्रित किया गया। बैठक में यातायात पुलिस अधिकारियों ने अभिभावकों को विस्तार से बताया कि कम उम्र के बच्चे वाहन संचालन के लिए आवश्यक मानसिक परिपक्वता, अनुभव एवं त्वरित निर्णय क्षमता विकसित नहीं कर पाते। सड़क पर अचानक उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों में सही निर्णय नहीं ले पाने के कारण वे स्वयं तथा अन्य लोगों के लिए गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं। अधिकारियों ने सड़क दुर्घटनाओं के वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से अभिभावकों को समझाया कि बच्चों को कम उम्र में वाहन उपलब्ध कराना उनके जीवन को अनावश्यक जोखिम में डालना है। साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि नाबालिग द्वारा वाहन चलाए जाने की स्थिति में वाहन स्वामी एवं अभिभावक के विरुद्ध भी मोटरयान अधिनियम के तहत कठोर वैधानिक कार्यवाही का प्रावधान है।

वचन पत्र भरवाकर लिया गया सुरक्षा का संकल्प

बैठक के दौरान सभी अभिभावकों से वचन पत्र भरवाया गया, जिसमें उन्होंने यह संकल्प लिया कि उनके बच्चे जब तक वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त नहीं कर लेते, तब तक उन्हें किसी भी प्रकार का वाहन चलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा वे स्वयं भी बच्चों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करेंगे। यातायात पुलिस दुर्ग ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस बच्चों को वाहन उपलब्ध न कराएं। एक छोटी-सी लापरवाही किसी परिवार की खुशियां छीन सकती है। सुरक्षित यातायात व्यवस्था तभी संभव है जब प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करे। यातायात पुलिस दुर्ग का यह विशेष अभियान आगामी दिनों में भी लगातार जारी रहेगा, ताकि नाबालिग वाहन संचालन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाकर आमजन का जीवन सुरक्षित बनाया जा सके।

स्कूलों में विशेष जागरूकता अभियान, विद्यार्थियों को दी गई समझाइश

प्रवर्तन कार्यवाही के साथ-साथ यातायात पुलिस द्वारा जन-जागरूकता अभियान भी चलाया गया। इसी क्रम में मानसरोवर स्कूल, जामुल सहित अन्य विद्यालयों में सड़क सुरक्षा संबंधी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों को बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन नहीं चलाने, हेलमेट एवं अन्य सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय प्रबंधन को भी निर्देशित किया गया कि यदि कोई विद्यार्थी बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन लेकर विद्यालय आता है तो उसे तत्काल रोका जाए, उसके अभिभावकों को सूचित किया जाए तथा ऐसे विद्यार्थियों को वाहन से विद्यालय आने से प्रतिबंधित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

खास खबर

उफनते नदी-नालों में रील बनाने वालों को सख्त चेतावनी

बिलासपुर। सोशल मीडिया पर वायरल होने का शौक युवाओं के लिए भारी पड़ सकता है। बिलासपुर पुलिस ने उफनते नदी-नालों, डेम और वेस्टवियर में रील बनाने, सेल्फी लेने और स्टंट करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा है कि दोबारा ऐसी हरकत करने पर सीधे कानूनी कार्रवाई होगी। बरसात के मौसम में सोशल मीडिया के लिए रील, सेल्फी और स्टंट बनाना युवाओं को भारी पड़ सकता है। बिलासपुर पुलिस ने उफनते नदी-नालों, डेम और वेस्टवियर में उतरकर जान जोखिम में डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। फिलहाल ऐसे युवकों को समझाइश देकर छोड़ा जा रहा है लेकिन दोबारा लापरवाही करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कुछ लोग सोशल मीडिया पर रील बनाने, सेल्फी लेने और स्टंट करने के लिए तेज बहाव वाले इलाकों में पहुंच रहे हैं। हाल ही में रतनपुर स्थित खूंटाघाट बांध के वेस्टवियर पर कुछ युवक तेज बहाव और फिसलन के बीच रील बनाते, सेल्फी लेते और पानी में छलांग लगाकर नहाते दिखाई दिए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों को कान पकड़वाकर समझाइश दी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कुछ सेकंड का रोमांच किसी भी समय बड़े हादसे में बदल सकता है।

फर्जी रजिस्ट्री से जमीन हड़पने की साजिश, तीन आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर। बलरामपुर के रामचंद्रपुर में फर्जी रजिस्ट्री कर जमीन हड़पने के प्रयास का खुलासा हुआ है। ग्राम रेवतीपुर निवासी 80 वर्षीय अलाउद्दीन अंसारी ने रामचंद्रपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2013 में उन्होंने अपनी एक जमीन आरोपी संत कुमार ठाकुर को बेची थी। वर्ष 2018-19 में ऑनलाइन भू-अभिलेख संधारण के दौरान त्रुटिवश उनकी दूसरी जमीन, खसरा नंबर 149/2, भी आरोपी के नाम दर्ज हो गई। जब अलाउद्दीन अंसारी को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने तहसील रामचंद्रपुर में रिकॉर्ड सुधार के लिए आवेदन किया। इसी दौरान आरोपियों ने उक्त जमीन के आधार पर बैंक से केसीसी ऋण भी ले लिया, जिससे रिकॉर्ड सुधार की प्रक्रिया प्रभावित हो गई। आरोप है कि संत कुमार ठाकुर ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर कूटरचित रजिस्ट्री दस्तावेज तैयार कर तहसील कार्यालय में प्रस्तुत कर दिया। उसी आधार पर संबंधित प्रकरण का निस्तारण कर दिया गया। रामचंद्रपुर पुलिस ने संत कुमार ठाकुर, हामिद जुलाहा तथा लल्लू नागवंशी, थाना रामानुजगंज को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 318(3), 338, 336(3), 340(2) और 61(2) के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, चालक फरार

सरगुजा। सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत राधापुर बैरियर के पास मंगलवार देर रात यह सड़क हादसा हुई है। हादसे में ग्राम उलकिया निवासी संजीव पैकरा मंगलवार रात अपने परिचितों से मिलने राधापुर गया हुआ था। रात लगभग 9 बजे वह मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान राधापुर बैरियर से आगे किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने मानवता का परिचय देते हुए घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मृत्यु हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पूरे मामले को लेकर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिलासपुर में डंडे से पीट-पीटकर किसान की हत्या

घर से टहलने निकला था युवक, पुरानी रंजिश में दो युवकों ने बेरहमी से की पिटाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में दो युवकों ने किसान की डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना उस समय हुई, जब किसान शाम को घर से बाहर टहलने निकला था। मामूली विवाद के बाद दोनों आरोपियों ने उसे घेरकर डंडों से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से किसान की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना कोटा थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान ग्राम खुरदुर निवासी सिदेशी उर्फ बोधन बघेल (42) के रूप में हुई है, जो खेती-किसानी करता था। बुधवार शाम वह घर से बाहर टहलने निकला था। इसी दौरान गांव के अंकुश रजक और निखिल यादव (निवासी कलारतराई) से उसका विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दोनों ने डंडों से उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में उसके सिर पर गंभीर चोट लगी और वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा।

पुरानी रंजिश में की गई हत्या

शुरुआती जांच में सामने आया है कि बोधन और दोनों आरोपियों के बीच पुरानी रंजिश थी। इसी रंजिश के चलते आरोपी मौके की तलाश में थे। बोधन को अकेला देखकर उन्होंने विवाद शुरू किया और डंडों से हमला कर दिया, जिससे उसे संभलने का मौका नहीं मिला।

मारपीट होते देख आसपास के ग्रामीण बीच-बचाव के लिए दौड़े, लेकिन तब तक दोनों आरोपी बोधन को बुरी तरह पीट चुके थे। सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगने से वह मौके पर ही गिर पड़ा। सूचना मिलने पर परिजन पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।

वारदात के बाद फरार हुए आरोपी, रात में गिरफ्तार

हत्या की सूचना मिलते ही कोटा एसडीओपी नूपुर उपाध्याय, थाना प्रभारी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की। पूछताछ में अंकुश रजक और निखिल यादव के नाम सामने आने पर पुलिस ने घेराबंदी कर उनकी तलाश शुरू की। देर रात मुख्य आरोपी अंकुश रजक को गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद निखिल यादव को भी उसके ठिकाने से पकड़ लिया गया। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह पुरानी रंजिश बताई गई है। मामले की विवेचना जारी है।

सीएम हेल्पलाइन 1076 की शिकायत पर खाद्य विभाग की त्वरित कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सीएम हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का जशपुर जिले में गंभीरता एवं तत्परता के साथ निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में खाद्य विभाग ने हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम लोदाम स्थित एक बर्तन दुकान में छापेमार कार्रवाई कर अवैध रूप से भंडारित घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों को जब्त किया। सरकार

खाद्य विभाग को सीएम हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत प्राप्त हुई थी कि ग्राम लोदाम के मुख्य मार्ग स्थित एक बर्तन दुकान में बिना वैध लाइसेंस के पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण एवं बिक्री की जा रही है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया था कि सार्वजनिक स्थान पर अनाधिकृत रूप से गैस सिलेंडरों का विक्रय किए जाने से गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, जिससे आम नागरिकों की सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न हो सकता है।

शिकायत प्राप्त होने के बाद सहायक खाद्य अधिकारी एवं खाद्य निरीक्षक, जशपुर द्वारा 28 जुलाई 2026 को संयुक्त रूप से जांच की गई। जांच के दौरान लोदाम निवासी मुकेश कुमार साहू एवं उनकी पत्नी रूपा साहू, जो बर्तन दुकान का संचालन करते हैं, मौके पर उपस्थित मिले।

निरीक्षण के दौरान दुकान एवं आवास से घरेलू उपयोग से अधिक मात्रा में इंडेन कंपनी के 9 भरे एवं 1 खाली तथा बीपीसीएल के 3 खाली सहित कुल 13 घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर पाए गए। जांच के दौरान संबंधित द्वारा केवल तीन वैध गैस कनेक्शन प्रस्तुत किए गए, जिनमें एक उज्ज्वला योजना का कनेक्शन उनकी माता के नाम तथा दो सामान्य घरेलू गैस कनेक्शन मुकेश कुमार साहू एवं उनकी पत्नी के नाम पर पाए गए। घरेलू उपयोग से अधिक मात्रा में रखे गए 13 गैस सिलेंडरों के संबंध में कोई वैध दस्तावेज या अनुमति प्रस्तुत नहीं किए जाने पर खाद्य विभाग ने सभी सिलेंडरों को जब्त कर सुरक्षा की दृष्टि से लोदाम स्थित अधिकृत गैस एजेंसी के सुपुर्द कर दिया है। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

खाद्य विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण, परिवहन अथवा बिक्री जैसी गतिविधियों की जानकारी मिलने पर तत्काल सीएम हेल्पलाइन 1076 अथवा संबंधित विभाग को सूचित करें, ताकि समय पर कार्रवाई कर जनसुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

रायगढ़ में 8 साल की बच्ची से रेप, पड़ोसी युवक गिरफ्तार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में 8 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, बच्ची के माता-पिता रोजगार के सिलसिले में दूसरे राज्य में रहते हैं। बच्ची अपनी दादी के साथ रहती है। शिकायत के मुताबिक, सोमवार शाम दादी खेत में रोपाई करने गई थीं और बच्ची घर पर अकेली थी। वापस लौटने पर बच्ची रो रही थी। पूछने पर उसने बताया कि पड़ोस में रहने वाला 25 साल के युवक घर में घुसा और उसके साथ गलत काम किया। दादी की शिकायत पर लैलूंगा थाना पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी फरार होने की तैयारी में है। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर ग्राम लिबरा के पास से उसे हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

सिजेरियन के बाद महिला के पेट में छोड़ा सर्जिकल धागा सीएमएचओ ने पेंडलवार नर्सिंग होम को थमाया नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सिजेरियन डिलीवरी के बाद डॉक्टर ने महिला के पेट में सर्जिकल धागा छोड़ दिया। इस मामले में बुधवार को पीड़ित परिवार ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए सीएमएचओ डॉ. शुभा गरेवाल से शिकायत की है।

मामला पेंडलवार नर्सिंग होम का है। परिवार का कहना है कि डिस्चार्ज के बाद महिला को पेट में तेज दर्द, उल्टी और अन्य समस्याएं होने लगीं। इसके बाद अपोलो अस्पताल में जांच कराई गई, जहां महिला के पेट में सर्जिकल धागा होने का खुलासा हुआ।

वहीं, शिकायत को गंभीरता से लेते हुए सीएमएचओ डॉ. शुभा गरेवाल ने नर्सिंग होम प्रबंधन को नोटिस जारी किया है। साथ ही गुरुवार तक मामले में जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं।

डिस्चार्ज के बाद होने लगी दिक्कतें

दरअसल, शहर से लगे ग्राम बिजौर (बहतराई) में रहने वाले शक्ति लाल सूर्यवंशी ने शिकायत में बताया कि उनकी पत्नी रेखा सूर्यवंशी को 12 जून को डिलीवरी के लिए पेंडलवार नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। सिजेरियन ऑपरेशन के जरिए डिलीवरी हुई। डिस्चार्ज होने के बाद से ही पत्नी को लगातार पेट में तेज दर्द, उल्टी और अन्य परेशानियां होने लगीं।

अस्पताल ले जाने पर बताया सामान्य दर्द

परिवार का आरोप है कि रेखा सूर्यवंशी को दोबारा नर्सिंग होम ले जाने पर डॉक्टरों ने बिना किसी जांच के दर्द को सामान्य बताते हुए घर भेज दिया। उन्हें कहा गया कि कुछ दिनों में दर्द अपने आप ठीक हो जाएगा और चिंता की कोई बात नहीं है।

अपोलो अस्पताल में जांच के दौरान हुआ खुलासा

रेखा सूर्यवंशी की तबीयत में सुधार नहीं होने पर परिवार उसे अपोलो अस्पताल लेकर पहुंचा। वहां जांच के दौरान पेट के अंदर सर्जिकल धागा होने की जानकारी मिली। इसके बाद डॉक्टरों ने दोबारा ऑपरेशन कर धागा बाहर निकाला। फिलहाल रेखा का इलाज जारी है।

सीएमएचओ ने मांगा जवाब

इस पूरे मामले की शिकायत लेकर पीड़ित परिवार सीएमएचओ डॉ. शुभा गरेवाल के पास पहुंचा। उन्होंने सीएमएचओ को लिखित शिकायत देकर अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की, ताकि दोबारा ऐसी कोई घटना न हो।

मामले में सीएमएचओ डॉ. शुभा गरेवाल ने बताया कि पीड़ित महिला के पति ने आवेदन में पेंडलवार नर्सिंग होम के संबंधित डॉक्टर, अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई, नर्सिंग होम का लाइसेंस निलंबित या निरस्त करने और उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

जहरीले जंतु के काटने से 3 वर्षीय मासूम की मौत

मरवाही। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही सेमरदर्री गांव में जहरीले जंतु के काटने की आशंका में तीन वर्षीय मासूम की मौत हो गई। बच्चे को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन मरवाही पहुंचने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। फिलहाल चिकित्सकों ने मौत का कारण स्पष्ट करने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार करने की बात कही है। जिले के मरवाही विकासखंड के सेमरदर्री (सिंगारबहरा) गांव में जहरीले जंतु के काटने की आशंका में तीन वर्षीय मासूम की मौत का मामला सामने आया है। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। चिकित्सकों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि बच्चे की मौत सर्पदंश से हुई है या किसी अन्य जहरीले कीड़े के काटने से।

-:: कार्यालय कलेक्टर, बेमेतरा (छ.ग.) ::-
।। आदिवासी विकास शाखा ।।

फैक्स नं. 07824-222105, ई-मेल - actwd.bemetara@gmail.com

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्रमांक/524/आ.जा.क./निर्माण/71/2026 बेमेतरा, दिनांक 27/07/2026

निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है, निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 13.08.2026 सायं 5.30 बजे तक है:-

क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की राशि लाख में
1	2	3	4
1	196122	अनुसूचित जाति कन्या आश्रम मारों भवन का रंगाई पोताई एवं नाली निर्माण कार्य	3.09
2	196151	पो.मै.अनुसूचित जाति बालक छात्रावास बेमेतरा शौचालय मरम्मत/पोताई/शेष बरामदा वाटर प्रूफिंग कार्य	5.20
3	196153	पो.मै.अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास बेमेतरा में शौचालय मरम्मत कार्य	0.89
4	196156	प्री.मै.अनुसूचित जाति बालक छात्रावास बेमेतरा पार्ट-1 पोताई, खिड़की दरवाजा मरम्मत, शौचालय मरम्मत	2.50
5	196157	प्री.मै.अनुसूचित जाति बालक छात्रावास नांदघाट मरम्मत एवं रंगाई पोताई कार्य	2.86
6	196168	प्री.मै.अनुसूचित जाति बालक छात्रावास संबलपुर खिड़की मरम्मत, स्लाईडर, जाली कार्य	2.00
7	196171	प्री.मै.अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास बेरला शौचालय दरवाजा मरम्मत, किचन वाटर प्रूफिंग कार्य व नाली निर्माण कार्य	2.25
8	196182	प्री.मै.अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास संबलपुर मरम्मत, रंगाई पोताई कार्य	4.20

टीपः- ठेकेदार की श्रेणी "A", "B", "C", "D" होना अनिवार्य है।

उक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

जी-262702407/3

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास जिला बेमेतरा

फोटो वायरल की धमकी देकर ब्लैकमेल, गिरफ्तार

राजनांदगांव। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक फोटो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। मामला चिचोला थाना क्षेत्र का है। चिचोला पुलिस ने बताया कि प्रार्थी युवती की शिकायत है कि आरोपी लोकेंद्र पडौती, कुशल नेताम और किशोर चंद्रवंशी उसे लगातार सोशल मीडिया में आपत्तिजनक विडियो भेज रहे थे। पीड़िता ने जब ऐसा करने से मना किया तो आरोपियों ने उसकी भी आपत्तिजनक तस्वीर सोशल मीडिया में पोस्ट करने की धमकी दी। इसके एवज में आरोपियों ने 2 हजार रुपए की मांग भी की। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

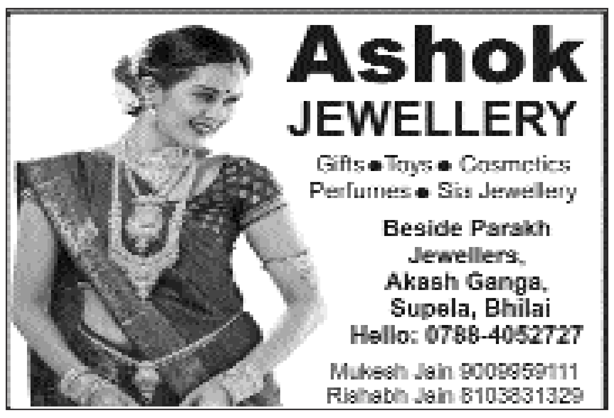

महिलाओं के सम्मान और आत्मनिर्भरता की नई पहचान बनेगा महतारी सदन: मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

थाड़पाथर में 24.70 लाख रुपये की लागत से बने सर्वसुविधायुक्त महतारी सदन का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत थाड़पाथर में नवनिर्मित महतारी सदन का लोकार्पण किया। लगभग 24 लाख 70 हजार रुपये की लागत से निर्मित यह भवन ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और कौशल विकास का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

महतारी सदन में विशाल हॉल, स्टोर, किचन, कार्यालय कक्ष तथा दुकान संचालन के लिए अलग स्थान उपलब्ध कराया गया है। भवन के पीछे सामुदायिक शौचालय का निर्माण भी किया गया है, जिससे यह परिसर महिलाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप सर्वसुविधायुक्त बनाया गया है।

लोकार्पण समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि महतारी सदन योजना छत्तीसगढ़ को महिला केन्द्रित विकास का मॉडल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि यह भवन केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि माताओं और बहनों के सम्मान, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि महतारी सदन केवल महिलाओं की तरक्की का आधार नहीं बनेगा, बल्कि पूरे प्रदेश की प्रगति का आधार बनेगा। यह महिलाओं की शक्ति, सम्मान और आत्मविश्वास को नई पहचान देगा तथा शिक्षा, कौशल और उद्यमिता के नए अवसर उपलब्ध कराएगा। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि राज्य सरकार का उद्देश्य महतारी सदनों को महिला स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों से जोड़कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। इन केंद्रों में महिलाओं के लिए सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, हस्तशिल्प, कृषि-आधारित प्रशिक्षण, खाद्य प्रसंस्करण तथा डिजिटल साक्षरता जैसे कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे, ताकि ग्रामीण महिलाएं स्वरोजगार और उद्यमिता से जुड़ सकें।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम, सामाजिक रूप से सशक्त और तकनीकी रूप से जागरूक बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। महतारी सदन जैसी पहलें ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को बैठक, प्रशिक्षण, उत्पादन, विपणन और सामुदायिक नेतृत्व के लिए एक स्थायी मंच प्रदान करेंगी।

स्थानीय महिलाओं ने महतारी सदन के निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें समूह बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और आयवर्धन गतिविधियों के लिए एक सुरक्षित और व्यवस्थित स्थान उपलब्ध होगा, जिससे गांव में महिलाओं की सहभागिता और आत्मनिर्भरता को नई दिशा मिलेगी।

गुरु व्यक्तित्व निर्माण के साथ समाज के उत्थान में निभाते हैं महत्वपूर्ण भूमिका: मंत्री राजवाड़े

रायपुर। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि गुरु केवल विषयों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, संस्कार और जीवन मूल्यों का विकास भी करते हैं। गुरु व्यक्तित्व निर्माण के साथ-साथ समाज के उत्थान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह बात सूरजपुर जिले के चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरा में आयोजित गुरु सम्मान समारोह एवं महिला जागृति शिविर को संबोधित करते हुए कही। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में श्रीमती राजवाड़े ने सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमें अपने गुरुओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का योगदान राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है और उनके मार्गदर्शन से ही विद्यार्थियों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित होता है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने महतारी वंदन योजना को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि यह देखकर प्रसन्नता होती है कि अनेक माताएं योजना से प्राप्त राशि का उपयोग अपने बच्चों की बेहतर शिक्षा और भविष्य निर्माण में कर रही हैं। उन्होंने इसे समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत बताया।

उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि उनके समर्पित प्रयासों से ही शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुंच रहा है। कुपोषण नियंत्रण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा बाल विकास से जुड़े कार्यों में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में ओड़गी क्षेत्र के 10 उत्कृष्ट शिक्षकों को विद्यार्थियों को सकारात्मक दिशा देने और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही 10 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा महतारी वंदन योजना की राशि का सदुपयोग अपने बच्चों की शिक्षा में करने वाली 10 माताओं को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान उनके उत्साहवर्धन के लिए किया गया है।

मुख्य सचिव ने सिंचाई परियोजनाओं को व्यवहारिक, टिकाऊ और संसाधनों के बेहतर उपयोग पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर में परियोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन समिति की 72वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की परियोजनाओं से संबंधित प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में जशपुर जिले के विकासखंड कुनकुरी अंतर्गत प्रस्तावित योजना के हल्दीमुण्डा व्यपवर्तन शीर्ष कार्य, जीर्णोद्धार, पुनर्निर्माण एवं बहुद्देशीय उद्वहन सिंचाई योजना सहित बेमेतरा जिले की शिवनाथ नदी में ग्राम मोतिमपुर-बिरौदा एनीकट के बैराज में परिवर्तन एवं उद्वहन सिंचाई योजना के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई।

समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रस्तावित योजनाओं का पुनः री-मॉडलिंग एवं री-वर्क किया जाए, ताकि परियोजनाएं अधिक व्यवहारिक, टिकाऊ और संसाधनों-संरक्षण आधारित बन सकें। उन्होंने कहा कि योजनाओं के निर्माण में जल संरक्षण, बेहतर वर्क मैनशिप और आधुनिक तकनीकों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों से नहर आधारित प्रणाली के स्थान पर समर्पित पाइपलाइन प्रणाली की व्यवहार्यता का भी गहन अध्ययन करने को कहा। उन्होंने कहा कि पाइप आधारित प्रणाली अधिक विश्वसनीय, जल की कम हानि वाली, कम लागत एवं समय में पूर्ण होने वाली हो सकती है तथा इससे भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता भी काफी कम होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक परियोजना में ऑप्शन एनालिसिस अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि विभिन्न विकल्पों का तुलनात्मक अध्ययन कर सबसे प्रभावी और किफायती मॉडल का चयन किया जा सके। साथ ही, परियोजनाओं की आगामी 5 से 10 वर्षों की संचालन एवं रखरखाव की रणनीति भी पहले से स्पष्ट रूप से तैयार की जाए। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कहा कि नए प्रस्ताव तैयार करने से पहले वर्तमान में संचालित परियोजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रस्तुत सभी प्रस्तावों का पुनः परीक्षण कर आवश्यक सुधारों के साथ संशोधित प्रस्ताव समिति के समक्ष प्रस्तुत किए जाएं, जिससे जनहितकारी परियोजनाओं का निर्माण सुनिश्चित हो सके। बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, जल संसाधन विभाग के सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो, ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. सारांश मित्तर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कैलाशपति धाम में किया जलाभिषेक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायगढ़ प्रवास के दौरान ग्राम पंडरीपानी स्थित कैलाशपति धाम मनकामेश्वर शिव मंदिर पहुंचे। उन्होंने भगवान मनकामेश्वर महादेव के दर्शन कर शिवलिंग पर जल अर्पित किया तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री साय ने भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा पर कोसमनारा पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, सत्यनारायण बाबा धाम में की पूजा-अर्चना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायगढ़ के ग्राम कोसमनारा स्थित प्रसिद्ध श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा धाम पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर है। गुरुजनों का आशीर्वाद जीवन को सही दिशा देने के साथ आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि कोसमनारा स्थित श्री सत्यनारायण बाबा धाम लोगों की गहरी आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा श्रद्धालुओं को आत्मबल और शांति प्रदान करती है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर इस पवित्र धाम में आकर पूजा-अर्चना करना उनके लिए सौभाग्य का अवसर है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार गुरुजनों के आशीर्वाद और जनता के विश्वास के साथ जनकल्याण के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ रही है। सरकार का प्रयास है कि विकास और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और छत्तीसगढ़ निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़े।

इस अवसर पर नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

वन मंत्री केदार कश्यप की पहल से रायपुर के सभी 70 वार्डों में मिलेगा निःशुल्क पौधा

'नेचर्स एटीएम' के माध्यम से घर-घर पहुँचेंगे पौधे, 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को मिला नया विस्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की एक अनूठी पहल है, जिसके जरिए 'नेचर्स एटीएम' के माध्यम से निःशुल्क पौधा वितरण बांटे जा रहे हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा करना और हरियाली को बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की परिकल्पना 'हरियर छत्तीसगढ़' और 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को आगे बढ़ाते हुए वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप की पहल पर रायपुर शहर के सभी 70 वार्डों में 'नेचर्स एटीएम' के माध्यम से निःशुल्क पौधा वितरण अभियान शुरू किया गया है। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ना और अधिक से अधिक लोगों को अपनी माँ के नाम पर एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित करना है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने बुधवार को नया रायपुर स्थित अपने शासकीय निवास से 'नेचर्स एटीएम' वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रायपुर वनमंडल द्वारा शुरू किए गए इस चलित पौधा वितरण वाहन के माध्यम से शहर के सभी 70 वार्डों में नागरिकों को निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे।

इस अभियान का संचालन प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख अरुण कुमार पांडे के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। 'नेचर्स एटीएम' के माध्यम से फलदार, छायादार और अधिक ऑक्सीजन देने वाली विभिन्न प्रजातियों के पौधे वितरित किए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य केवल पौधारोपण कराना नहीं, बल्कि पौधों के संरक्षण और उनके प्रति सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है।

हरित और स्वच्छ रायपुर बनाने की पहल

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि पेड़-पौधे आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर हैं। माँ के सम्मान में लगाया गया एक पौधा मातृसम्मान और प्रकृति संरक्षण दोनों का प्रतीक है। 'नेचर्स एटीएम' जैसी पहल से हरियाली आम लोगों तक पहुँचेगी और रायपुर को अधिक हरित, स्वच्छ और स्वस्थ शहर बनाने में मदद मिलेगी।

अभियान से जुड़ने की अपील

कार्यक्रम में वन विभाग और रायपुर वनमंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे 'नेचर्स एटीएम' से निःशुल्क पौधे प्राप्त करें, 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से जुड़ें और हरियर छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएँ।

स्व-सहायता समूह की दीदियां बना रही हैं प्राकृतिक राखियां, रक्षाबंधन पर बढ़ेगी आय

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में मिला व्यावहारिक प्रशिक्षण, स्थानीय संसाधनों से तैयार हो रहीं पर्यावरण अनुकूल राखियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में बस्तर जिले के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), आड़ावाल, जगदलपुर द्वारा रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए स्व-सहायता समूह की महिलाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल से महिलाओं को कौशल विकास के साथ-साथ त्योहारी सीजन में अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर भी मिल रहा है।

जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में 21 जुलाई से 26 जुलाई 2026 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के सातों जनपदों से आई स्व-सहायता समूह की 30 दीदियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें आकर्षक, हस्तनिर्मित और पर्यावरण अनुकूल राखियां बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद सभी प्रतिभागी अपने-अपने जनपदों में लौटकर स्व-सहायता समूह की अन्य महिलाओं के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर राखियों का निर्माण करेंगी। इससे स्थानीय बाजार में हस्तनिर्मित एवं प्राकृतिक राखियों की उपलब्धता बढ़ेगी और समूह की महिलाओं को रक्षाबंधन के अवसर पर अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर मिलेगा।

स्थानीय संसाधनों से तैयार हो रही हैं आकर्षक राखियां

प्रशिक्षण में महिलाओं ने धान, चावल, लालभाजी के बीज, कुकुम्बर (खीरा) के बीज, मयूर पंख, बांस तथा अन्य प्राकृतिक एवं सजावटी सामग्रियों से सुंदर और कलात्मक राखियां बनाना सीखा। प्रशिक्षकों ने उन्हें डिजाइन चयन, रंग संयोजन, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग तथा बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करने की बारीकियों की भी जानकारी दी।

पर्यावरण संरक्षण के साथ बस्तर की कला को भी मिल रही पहचान

प्राकृतिक सामग्री से तैयार की जा रही ये राखियां पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देती हैं। स्थानीय संसाधनों के उपयोग से तैयार इन उत्पादों के माध्यम से बस्तर की पारंपरिक कला, स्थानीय शिल्प और ग्रामीण महिलाओं की रचनात्मकता को नई पहचान मिल रही है। यह पहल 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को भी सशक्त कर रही है।

छत्तीसगढ़ में विकसित होंगे 4 नए औद्योगिक पार्क

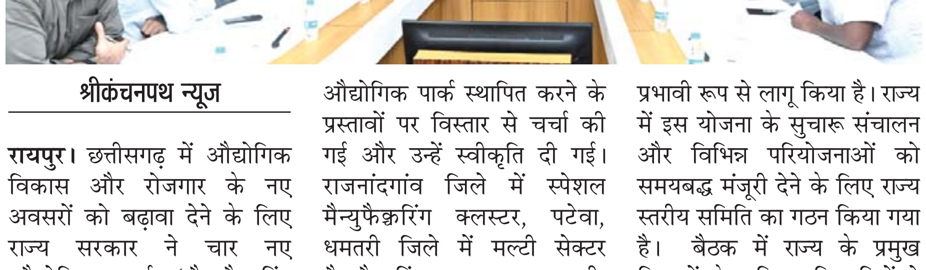

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने चार नए औद्योगिक पार्क (मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर) विकसित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आयोजित उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अंतर्गत औद्योगिक विकास योजना की राज्य स्तरीय समिति की बैठक में इस प्रस्ताव को औपचारिक मंजूरी प्रदान की गई।

समिति की दूसरी बैठक के दौरान प्रदेश के चार जिलों में औद्योगिक पार्क स्थापित करने के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई और उन्हें स्वीकृति दी गई। राजनांदगांव जिले में स्पेशल मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, पटेवा, धमतरी जिले में मल्टी सेक्टर मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, धूम्रपाली, जांजगीर-चांपा जिले में मल्टी सेक्टर मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, सलखान और बस्तर जिले में मल्टी सेक्टर मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, नियानार में औद्योगिक पार्क स्थापित करने के प्रस्तावों पर स्वीकृति दी गई। भारत औद्योगिक योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसे छत्तीसगढ़ सरकार ने अपनी औद्योगिक विकास नीति के तहत प्रभावी रूप से लागू किया है। राज्य में इस योजना के सुचारू संचालन और विभिन्न परियोजनाओं को समयबद्ध मंजूरी देने के लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है। बैठक में राज्य के प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया, जिनमें डॉ. रोहित यादव (सचिव, वित्त विभाग), अंकित आनंद (सचिव, आवास एवं पर्यावरण विभाग), रजत कुमार (सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग), डॉ. सारांश मित्तर (सचिव, ऊर्जा विभाग), इफ्फत आरा (विशेष सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग) सहित अन्य संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी शामिल थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950